छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026 | वर्ष-07, अंक-118 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

न्यूज इन शॉर्ट

500 में 40 मिनट की सैर! दिल्ली की यमुना में क्रूज का ट्रायल शुरू सीएम रेखा गुप्ता ने किया सफर



नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को सोनिया विहार से जगतपुर तक यमुना नदी पर विकसित की जा रही क्रूज सेवा का ट्रायल रन और निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों से परियोजना की प्रगति, संचालन व्यवस्था और यात्रियों के लिए तैयार की जा रही सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मां यमुना के साथ लोगों का भावनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव अत्यंत गहरा है। यमुना सफारी की शुरुआत इस जुड़ाव को एक नया आयाम देने के साथ-साथ राजधानी में पर्यटन और मनोरंजन की नई संभावनाओं को भी साकार करेगी।

गुजरात सरकार का बड़ा फैसला, 4 जिलों में सूखा घोषित, किसानों को 150 दिन का मिलेगा रोजगार



नई दिल्ली। गुजरात में कम वर्षा के कारण चार जिलों में सूखे की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के किसानों के लिए बड़ा ऐलान किया। राज्य के 4 जिले सूखाग्रस्त घोषित किए। ये जिले हैं-द्वारका, पोरबंदर, जामनगर, कच्छ। सीएम ने किसानों और पशुपालकों के लिए राहत की घोषणा की है। गुजरात में कम बारिश के कारण किसानों और पशुपालकों की समस्याएं बढ़ गई हैं। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, कच्छ और जामनगर को सूखाग्रस्त घोषित किया और किसानों के लिए राहत उपायों की घोषणा की।

महाराष्ट्र में एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट सख्त



नई दिल्ली।सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में मतदाता सूची के 'विशेष सघन पुनरीक्षण'को चुनौती देने वाली याचिका पर निर्वाचन आयोग, महाराष्ट्र मुख्य निर्वाचन कार्यालय और राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि 9 करोड़ में से 33ल और कुछ क्षेत्रों में 40ल मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं, जिनके लिए फॉर्म 6 भरने के अलावा कोई प्रावधान नहीं है।
सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जज वी। मोहना कीबेंच ने इस मामले की सुनवाई की। याचिकाकर्ता अरुण की ओर से वरिष्ठ वकील अरविंद दातार ने कहा कि 9 करोड़ में से 33ल लोगों के नाम पूरी तरह हटा दिए गए हैं। पुणे और बॉम्बे में 40ल मतदाता सूची से गायब हैं। लोगों से 'फॉर्म 6' भरने को कहा जा रहा है, लेकिन जो व्यक्ति 3-4 चुनावों से मतदाता रहा है।

इंडिगो की इंटरनेशनल फ्लाइट्स नवी मुंबई एयरपोर्ट से भरेंगी उड़ान, फरवरी 2027 से होगी शुरुआत



नई दिल्ली।योजना के तहत लगभग 30 लाख यात्रियों को नवी मुंबई एयरपोर्ट पर स्थानांतरित किया जाएगा। यह पहले चरण में स्थानांतरित किए जाने के लिए निर्धारित कुल यात्री संख्या का लगभग 60 प्रतिशत होगा। नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन को लेकर इंडिगो और अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने विस्तार योजना की घोषणा की है। इसके तहत इंडिगो फरवरी 2027 से नवी मुंबई एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शुरू करेगी। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से अपनी सेवाओं का विस्तार करेगी।

सांसदों ने मंत्रियों के खिलाफ खोला मोर्चा-बोले- हमारी सिफारिशें सुनी ही नहीं जातीं, कोई भी काम हमारे कहने पर नहीं किया जाता

सीएम, दोनों डिप्टी सीएम के सामने स्मृति ने सुनी सांसदों की शिकायतें

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

प्रदेश प्रभारी स्मृति इरानी के सामने पूर्व विधायक-सांसद के बाद वर्तमान सांसदों ने भी मंत्रियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। सांसदों का आरोप था कि मंत्री हमारी सिफारिशें सुनी ही नहीं जाती हैं। कोई भी काम हमारे कहने पर नहीं किया जाता। हमारी स्थिति ऐसी हो गई है कि कार्यकर्ता हमसे कहते हैं आप सिर्फ पत्र लिख दीजिए, काम तो हम करवा लेंगे। जो काम हमारे कहने पर नहीं होता, वह दूसरे रास्ते से हो जाता है। एक सांसद ने यह तक कह दिया कि अफसर सिर्फ पैसे कमाने में जुटे हैं। इस पर स्मृति ने एक वरिष्ठ सांसद से पूछा कि आखिर ऐसा कैसे हो रहा है।

उन्होंने जवाब दिया कि- प्रदेश में ब्यूरोक्रेसी हावी हो गई है। जहां भी ऐसा होगा वहां ऐसी ही स्थिति होगी। यह सब सुनते ही स्मृति ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा को भी बैठक में शामिल कर लिया। सभी के सामने बोलीं कि अब बताइए क्या समस्याएं हैं? सांसदों ने उनके सामने भी शिकायतें दोहराईं। एक सांसद ने यहां तक कह दिया कि हमारी तो छोड़िए, केंद्रीय राज्य मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष तक की नहीं सुनी जाती है। स्मृति ने कहा ऐसे तो 2028 कैसे जीतेंगे। उन्होंने दिसंबर तक का



अल्टीमेटम दिया कि मंत्री अपना रिपोर्ट कार्ड सुधार लें।

मामला सामने आया तो मुख्यमंत्री खुद लेकर आए ट्रांसफर लेटर

रविवार को पूर्व सांसद-विधायक की बैठक में भी स्मृति के सामने मंत्रियों की कई शिकायतें हुई थीं। इसमें पूर्व सांसद गोविंद मिरी ने आरोप लगाया था कि वे ढाई साल से अपनी बेटी के ट्रांसफर के लिए भटक रहे हैं। शाम को जब स्मृति मुख्यमंत्री निवास पहुंची तो उन्होंने यह बात विष्णुदेव साय को बताई। साय ने रातोंरात इस मामले की फाइल मंगवाकर ट्रांसफर ऑर्डर जारी कर दिया। यही नहीं जब वे सोमवार को कार्यालय पहुंचे तो एक आदेश की प्रति वहां भी प्रभारी को सौंप दी। स्मृति ने संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह को यह आदेश पूर्व सांसद तक पहुंचाने के लिए कहा।

दयालदास से कहा- विभाग में आपकी मौजूदगी तो दिखनी चाहिए

स्मृति सभी मंत्रियों का रिपोर्ट कार्ड लेकर बैठक में पहुंची थीं। उन्होंने विभागों के कामकाज और शिकायतों के आधार पर एक-एक मंत्री से जवाब मांगा। सबसे ज्यादा शिकायतें मंत्री दयालदास बघेल को लेकर सामने आईं। स्मृति ने उनसे यहां तक कह दिया कि आप हैं भी या नहीं, यह विभाग में पता तो चलना चाहिए। इसी तरह टंकराम वर्मा और श्याम बिहारी जायसवाल को भी विभागीय कामकाज सुधारने की हिदायत दी गई। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव से फर्जी ट्रांसफर के मामलों में सवाल किया। पूछा कि विभाग में ऐसे मामले कैसे सामने आ रहे हैं? इन्हें तत्काल रोकिए। अन्य मंत्रियों को विभागीय बजट समय पर खर्च करने और कामकाज में तेजी लाने के निर्देश दिए।

प्रभारी जिलों में नहीं जाने वाले मंत्रियों से प्रभार छीनने की बात

मंत्रियों की बैठक में प्रभारी जिलों के दौरे नहीं करने का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। स्मृति अपने साथ यह रिपोर्ट लेकर आई थीं कि कौन-सा मंत्री कितनी बार अपने प्रभारी जिले में गया है। उन्होंने कहा कि जो मंत्री नियमित रूप से प्रभारी जिले नहीं जाते, उनसे जिले का प्रभार वापस ले लेना चाहिए। स्मृति ने कहा कि प्रभारी मंत्री जिले में सरकार और संगठन के बीच समन्वयक की भूमिका निभाता है। इसलिए उसका नियमित दौरा जरूरी है।

पीएम मोदी के पिता पर खरगे की टिप्पणी से भड़की भाजपा, देशभर में प्रदर्शन



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा रविवार को पटना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पिता के खिलाफ विवादित टिप्पणी के मामले में सियासी घमासान बढ़ता ही जा रहा है। दिल्ली सहित देश के विभिन्न राज्यों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने खरगे के खिलाफ प्रदर्शन किया और माफी की मांग की है। दिल्ली, जयपुर, पटना, भोपाल, कोलकाता सहित देश के विभिन्न राज्यों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कई जगहों पर पुलिस के साथ झड़प भी हुई।पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया।दिल्ली प्रदेश भाजपा ने सोमवार को राजा जी मार्ग स्थित मल्लिकार्जुन खरगे के निवास के पास विरोध प्रदर्शन किया। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व और प्रदेश प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे की मौजूदगी में दिल्ली भाजपा के पूर्वांचल, युवा और OBC मोर्चा के लगभग 2000 कार्यकर्ता राजा जी मार्ग पर स्थित सेना भवन के पास इकट्ठा हुए।

सलमान से लेकर विराट तक।।। क्यों खेती की जमीन पर फिदा हैं सेलेब्रिटीज जानिए एग्रीकल्चरल लैंड खरीदने के पीछे का बड़ा टैक्स सीक्रेट

माफी मांगें खरगे, वरना जारी रहेगा आंदोलन: मल्होत्रा

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि मल्लिकार्जुन खरगे, जो कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष हैं, उनके द्वारा प्रधानमंत्री के पिताजी के लिए अभद्र शब्दों का प्रयोग किया गया। उसी बात को लेकर हम आज खरगे के घर पर आए हैं और उनसे यह कहने आए हैं कि नरेंद्र मोदी केवल भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता नहीं हैं, बल्कि वे पूरे विश्व के शीर्ष नेताओं में से एक हैं और भारत के प्रधानमंत्री हैं। खरगे को उनके द्वारा की गई टिप्पणी के लिए माफी मांगनी होगी।हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि पूरी कांग्रेस पार्टी, चाहे वह राहुल गांधी हों या कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सभी हताश हो चुके हैं। लगातार चुनावों में हार के कारण इन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि इन्हें क्या करना है। ये हर समय अराजकता के दौर में आ जाते हैं और किसी कानून को नहीं मानने वाले लोग हैं।

मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना के लिए पंजीयन एवं सत्यापन 31 अक्टूबर तक

जिले के कक्षा 12वीं उत्तीर्ण अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के 48 विद्यार्थी मेरिट सूची में शामिल

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला पेंड्रा मरवाही

मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना वर्ष 2026-27 के अंतर्गत विद्यार्थियों के पंजीयन एवं आवेदनों के सत्यापन की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गई है। जिले से कक्षा 12वीं उत्तीर्ण अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के कुल 48 विद्यार्थियों के नाम मेरिट सूची में



शामिल हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि पंजीयन एवं सत्यापन के लिए राज्य छात्रवृत्ति पोर्टल पर 8 अक्टूबर से लिंक उपलब्ध है। विद्यार्थी पोर्टल के मुख्य पृष्ठ पर मेरिट सूची एवं आवश्यक दिशा-निर्देश देख सकते हैं। बोर्ड परीक्षा के अनुक्रमांक से स्वयं पंजीयन कर स्थायी जाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्र के आवेदन संदर्भ क्रमांक का उपयोग करते हुए आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर सकते हैं।

योजना का लाभ लेने के लिए विद्यार्थी का महाविद्यालय में अध्ययनरत होना आवश्यक है। इसके लिए पोर्टल पर उपलब्ध बोनाफाइड प्रमाण पत्र का प्रारूप डाउनलोड कर संबंधित महाविद्यालय से प्रमाणित कराना होगा। प्रमाणित पत्र एवं महाविद्यालय की फीस रसीद अपलोड करने के साथ बैंक खाते की जानकारी दर्ज कर पूर्ण आवेदन कक्षा 12वीं उत्तीर्ण करने वाले विद्यालय को भेजना होगा।

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस

मुंबई में कहां रुकी थीं राधा-बबीता पुलिस ने खंगाले CCTV फुटेज

एजेंसी ➤ मुंबई

मुंबई में अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग के मामले की जांच जारी है। इस दौरान लगातार नए-नए खुलासे हो रहा हैं। इस बीच एक अहम खुलासा सामने आया है। इस मामले में हथियार मुंबई पहुंचाने की आरोपी महिलाएं जिनके नाम राधा और बबीता हैं वो दादर रेलवे स्टेशन के पास स्थित रॉयल रेस्ट हाउस में ठहरी थीं। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी एक्सटॉर्शन सेल ने रेस्ट हाउस पहुंचकर जांच की है। पुलिस ने होटल के CCTV फुटेज, एंट्री रजिस्टर और आरोपियों द्वारा दिए गए आधार कार्ड से संबंधित रिकॉर्ड अपने कब्जे में लिए हैं।जांच से जुड़े विवरण के मुताबिक, राधा और बबीता 17 अक्टूबर को रॉयल रेस्ट हाउस पहुंची थीं। दोनों के लिए पहली मंजिल पर एक कमरा बुक कराया गया था, जिसका किराया करीब 600 रुपये प्रतिदिन बताया जा रहा है।



स्थानीय व्यक्ति के मदद करने का शक

जांच एजेंसियों को संदेह है कि मुंबई के किसी स्थानीय व्यक्ति ने दोनों महिलाओं के पहुंचने से पहले उनके लिए कमरे की व्यवस्था की थी। हालांकि, कमरे की बुकिंग किसने कराई थी और इसमें किसकी भूमिका थी।

ठाणे-मुलुंड स्टेशन के बीच टूटा ओवरहेड वायर, थम गई मुंबई लोकल; लंबी दूरी की ट्रेनों पर भी असर

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

महाराष्ट्र में ठाणे और मुलुंड रेलवे स्टेशन के बीच ओवरहेड वायर टूटने का मामला सामने आया है। इसकी वजह से मध्य रेलवे की लोकल ट्रेनों के पहिए थम गए हैं। वहीं लंबी दूरी की रेल सेवाओं पर भी असर पड़ा है।महाराष्ट्र में ठाणे और मुलुंड रेलवे स्टेशन के बीच ओवरहेड वायर टूटने का मामला सामने आया है। इसकी वजह से मध्य रेलवे की लोकल ट्रेनों के पहिए थम गए हैं। वहीं लंबी दूरी की रेल सेवाओं पर भी असर पड़ा है। जानकारी के मुताबिक करीब तीन घंटे से ट्रेनों की आवाजाही ठप है। इससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।रेलवे स्टेशनों पर भी यात्रियों की भीड़ बढ़ने से अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन गई है। मध्य रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक ओवरहेड वायर टूटने की वजह से लोकल ट्रेन की सेवाएं बाधित हुई हैं। ऐसे हाल में करीब आधे घंटे की देरी से कुछ ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन के मुताबिक कुछ लोकल ट्रेनों को रद्द भी किया गया है।

रेलवे की ओर से कोशिश की जा रही है कि इस तकनीकी दिक्कत का जल्द से जल्द समाधान कर यातायात सेवा को फिर से सामान्य किया जा सके। अधिकारियों निगरानी में मरम्मत का काम शुरू कर दिया है।

वाल्मीकि जयंती पर ष्टरूयोगी का संकल्प

बिल्हौर-बिठूर को 411 करोड़ की 48 परियोजनाओं की सौगात

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवाओं के लिए नए अवसरों का सृजन ही आज यूपी में विकास का संकल्प है। इस दौरान उन्होंने जनसुविधाओं के विस्तार, निवेश को प्रोत्साहन और नवाचार पर भी फोकस किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की पावन जयंती पर उनकी तपोभूमि बिठूर में लोकमंगल और जनकल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस अवसर पर कानपुर नगर के बिठूर में बिल्हौर एवं बिठूर विधानसभा क्षेत्रों की 411 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 48 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास करने की बात कही।



नई संभावनाओं का निर्माण -सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज का दिन उत्तर प्रदेश की उस यात्रा का प्रतीक है, जिसमें गौरवशाली विरासत से प्रेरणा लेकर भविष्य की नई संभावनाओं का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती मना रहा है। जिन्होंने रामायण के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी जनमानस को प्रभु श्रीराम के जीवन चरित्र और रामराज्य के आदर्शों से परिचित कराया। वहीं दूसरी ओर जीसीसी इनोवेशन समिट 2026 उत्तर प्रदेश को वैश्विक तकनीक, नवाचार और ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बनाने की संभावनाओं को नई दिशा देने का अवसर प्रदान कर रहा है।सीएम ने लिखा कि महर्षि वाल्मीकि की रामायण केवल हमारी सांस्कृतिक धरोहर नहीं, अपितु ज्ञान, मर्यादा और लोक-कल्याण की ऐसी परंपरा है, जिसने युगों तक समाज को दिशा दी है। आज इसी ज्ञान-परंपरा को आधुनिक संदर्भ में आगे बढ़ाने का अवसर है, जहां विज्ञान और तकनीक युवाओं की प्रतिभा को नए अवसरों से जोड़ें एवं उनके सामर्थ्य को वैश्विक पहचान मिले।

न्यूज इन शॉर्ट

छत्तीसगढ़ में गोवर्धन पूजा पर सार्वजनिक अवकाश घोषित

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन ने राज्य के कर्मचारियों के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए दीपावली का दूसरा दिन (गोवर्धन पूजा) के पावन अवसर पर सार्वजनिक/सामान्य अवकाश की घोषणा की है। राज्य शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार इस वर्ष यह अवकाश 09 नवंबर 2026 (दिन-सोमवार) को रहेगा।सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी अधिसूचना बताया गया है कि इससे पहले विभाग की अधिसूचना दिनांक 06 नवंबर 2025 के जरिए इस पर्व को ऐच्छिक अवकाश की सूची में (सरल क्रमांक-50 पर) दिनांक 09 नवंबर, 2026 (सोमवार के लिए) घोषित किया गया था। अब शासन ने इसमें संशोधन करते हुए इसे सार्वजनिक/सामान्य अवकाश में परिवर्तित कर दिया है। इस आधिकारिक घोषणा के बाद अब 09 नवंबर 2026 को राज्य में सभी संबंधित शासकीय कार्यालयों और संस्थानों में गोवर्धन पूजा के अवसर पर सार्वजनिक अवकाश रहेगा।

'नारायणपुर जिले में 28 एवं 29 अक्टूबर को बारिश की संभावना, मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी'

नारायणपुर। भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार उत्तरी आंध्र प्रदेश तट पर संभावित चक्रवात के प्रभाव से छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में बारिश होने की संभावना जताई गई है। इसके प्रभाव से नारायणपुर जिले में भी 28 एवं 29 अक्टूबर को बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग द्वारा 28 अक्टूबर के लिए जारी चेतावनी मानचित्र में नारायणपुर जिले को ऑरेंज अलर्ट की श्रेणी में रखा गया है। संभावित बारिश एवं प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर नम्रता जैन ने जिले के सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को सतर्क रहने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।कलेक्टर नम्रता जैन ने मौसम विभाग की चेतावनी को गंभीरता से लेते हुए जिला एवं तहसील स्तर पर कंट्रोल रूम सक्रिय रखने तथा मौसम संबंधी सूचनाओं की निरंतर निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने राजस्व, पुलिस, पंचायत, स्वास्थ्य, विद्युत सहित सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ सतर्क रहने तथा संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा है। कलेक्टर ने विशेष रूप से निचले एवं जलभराव संभावित क्षेत्रों की पहचान करने, नदी-नालों एवं जलाशयों के जलस्तर पर निगरानी रखने तथा आवश्यकता पड़ने पर राहत एवं बचाव कार्यों के लिए संबंधित दलों को आवश्यक उपकरणों सहित तैयार रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा जनहानि रोकने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से अपील की है कि मौसम खराब होने की स्थिति में अनावश्यक यात्रा से बचें तथा गरज-चमक के दौरान पेड़ों, बिजली के खंभों एवं खुले स्थानों पर खड़े न हों। तेज बारिश के दौरान नदी-नालों, पुल-पुलियों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों को पार करने का प्रयास न करें। किसानों एवं ग्रामीणों से भी मौसम की स्थिति को ध्यान में रखते हुए कृषि एवं अन्य बाहरी गतिविधियां संचालित करने की अपील की गई है।

कलेक्टर नम्रता जैन ने आम नागरिकों से मौसम विभाग द्वारा समय-समय पर जारी चेतावनियों एवं दिशा-निर्देशों का पालन करने तथा सतर्कता बरतने की अपील की है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मौसम संबंधी चेतावनियां आम नागरिकों तक समय पर पहुंचाई जाएं तथा किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि भारी बारिश, जलभराव अथवा अन्य आपात स्थिति में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के दूरभाष नंबर 07781-252214 पर संपर्क कर सूचना दे सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल फेरबदल पर सस्पेंस, फिलहाल मंत्रियों को राहत के संकेत

, दीपावली के बाद मंत्रिमंडल फेरबदल की संभावना भी जताई जा रही है

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंत्रिमंडल में संभावित फेरबदल को लेकर राजनीतिक चर्चाएं तेज हैं। सामने आ रही जानकारी के अनुसार, फिलहाल मंत्रिमंडल में किसी मंत्री को बदलने की संभावना कम बताई जा रही है। एक नवंबर से प्रस्तावित राज्योत्सव को देखते हुए मंत्रिमंडल में तत्काल बदलाव नहीं किए जाने की चर्चा है। वहीं, दीपावली के बाद मंत्रिमंडल फेरबदल की संभावना भी जताई जा रही है। हालांकि, इन चर्चाओं को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा सामने नहीं आई है। भाजपा की वरिष्ठ नेता एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी के दौरे को भी इन चर्चाओं से जोड़कर देखा जा रहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, उनका दौरा संगठनात्मक समीक्षा से संबंधित बताया जा रहा है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि क्या राज्योत्सव तक मंत्रिमंडल का मौजूदा स्वरूप बरकरार रहेगा या आने वाले दिनों में कोई नया निर्णय सामने आएगा।



फिलहाल मंत्रियों को राहत मिलने की चर्चा

छत्तीसगढ़ में मंत्रिमंडल फेरबदल को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच मौजूदा मंत्रियों को फिलहाल राहत मिलने के संकेत बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, तत्काल किसी मंत्री को हटाने या बदलने की योजना नहीं होने की बात कही जा रही है। हालांकि, इस संबंध में सरकार या भाजपा नेतृत्व की ओर से औपचारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इसलिए मंत्रिमंडल में बदलाव नहीं होने की संभावना को अभी अंतिम निर्णय नहीं माना जा सकता।भाजपा प्रदेश प्रभारी स्मृति ईरानी के छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर भी राजनीतिक हलकों में कई तरह की चर्चाएं हैं। उनका दौरा संगठनात्मक कामकाज और राजनीतिक गतिविधियों की समीक्षा से जुड़ा बताया जा रहा है।

ग्रामीण आजीविका के नए अवसर विकसित करने पर भी जोर दिया

छत्तीसगढ़ के 309 पारंपरिक वैद्यों को मिला प्रमाण पत्र, सरकार ने रखा बड़ा लक्ष्य

एक सत बुलेटिन ➤ कोण्डागांव

छत्तीसगढ़ में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और औषधीय ज्ञान के संरक्षण की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। प्रदेश के छह जिलों के 309 पारंपरिक वैद्यों को स्वैच्छिक प्रमाणन प्रक्रिया के अंतर्गत प्रमाण पत्र प्रदान किए गए हैं। छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा कोण्डागांव में आयोजित कार्यक्रम में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने वैद्यों को प्रमाण पत्र वितरित किए। बोर्ड ने 31 मार्च 2027 तक प्रदेश के एक हजार पारंपरिक वैद्यों के प्रमाणन का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस पहल का उद्देश्य छत्तीसगढ़ की स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं, औषधीय वनस्पतियों से जुड़े ज्ञान और पीढ़ियों से चली आ रही पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का संरक्षण करना है। कार्यक्रम में वन मंत्री ने औषधीय पौधों के संवर्धन, स्थानीय वन उत्पादों के मूल्यवर्धन और ग्रामीण आजीविका के नए अवसर विकसित करने पर भी जोर दिया।



पारंपरिक चिकित्सा छत्तीसगढ़ की अमूल्य धरोहर- केदार कश्यप

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में राज्य सरकार पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों और वन्य औषधियों के संरक्षण के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पारंपरिक स्वास्थ्य परंपराएं प्रदेश की अमूल्य धरोहर हैं। पारंपरिक वैद्यों का ज्ञान औषधीय वनस्पतियों की पहचान और पीढ़ियों के अनुभवों पर आधारित है। वन मंत्री ने कहा कि इस ज्ञान को व्यवस्थित रूप से दस्तावेजों में दर्ज करना जरूरी है, ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इससे परिचित हो सकें।

छह जिलों के 309 पारंपरिक वैद्यों को मिला प्रमाण पत्र

कोण्डागांव में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के छह जिलों से आए 309 पारंपरिक वैद्यों को स्वैच्छिक प्रमाणन के अंतर्गत प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। छत्तीसगढ़ आदिवासी स्थानीय स्वास्थ्य परंपरा एवं औषधि पादप बोर्ड द्वारा संचालित इस पहल के माध्यम से पारंपरिक वैद्यों के ज्ञान और अनुभव को व्यवस्थित रूप से दर्ज करने तथा उसे संरक्षित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। बोर्ड ने 31 मार्च 2027 तक एक हजार पारंपरिक वैद्यों के प्रमाणन का लक्ष्य रखा है। इससे प्रदेश में स्थानीय स्वास्थ्य परंपराओं के दस्तावेजीकरण को और गति मिलने की उम्मीद है।

औषधीय पौधों के संरक्षण और रोपण पर जोर

वन मंत्री केदार कश्यप ने औषधीय पौधों के संरक्षण और संवर्धन को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंचायतों की उपलब्ध भूमि, घरों की बाड़ियों और अन्य उपयुक्त स्थानों पर औषधीय पौधों के रोपण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। इस पहल से स्थानीय स्तर पर औषधीय वनस्पतियों के संरक्षण को बढ़ावा मिल सकता है। साथ ही पारंपरिक ज्ञान से जुड़े पौधों की उपलब्धता बनाए रखने में भी सहायता मिल सकती है। वन मंत्री ने अधिकारियों से इस दिशा में योजनाबद्ध तरीके से काम करने को कहा।

स्थानीय वन उत्पादों से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

कार्यक्रम में वन मंत्री ने स्थानीय वन उत्पादों और औषधीय पौधों के आर्थिक महत्व पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्थानीय वन उत्पादों, औषधीय पौधों और पारंपरिक खाद्य पदार्थों की बेहतर ब्रांडिंग, प्रसंस्करण और विपणन से ग्रामीण समुदायों के लिए आजीविका के नए अवसर विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने साल बीज सहित अन्य वन उत्पादों के मूल्य संवर्धन पर काम करने की आवश्यकता बताई। वन मंत्री के अनुसार, स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में प्रयास किए जा सकते हैं।

यात्रा से पहले देखें सूची

छत्तीसगढ़ में रेल यात्रियों को बड़ा झटका! 27 नवंबर से कई ट्रेनें रद्द

एक सत बुलेटिन ➤ राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों में रेल यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। नवंबर के अंतिम सप्ताह से दिसंबर के मध्य तक कई प्रमुख एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों का परिचालन प्रभावित होने वाला है। दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल स्थित झारसुगुड़ा पैसेंजर यार्ड में अधोसंरचना विकास कार्य के कारण 27 नवंबर से 17 दिसंबर 2026 तक निर्धारित तिथियों में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा। इसके चलते दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से संबंधित कई ट्रेनों को अलग-अलग तारीखों में रद्द किया जाएगा, जबकि कुछ ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित किया जाएगा। रेलवे के इस कार्य का असर दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव सहित अन्य क्षेत्रों के रेल यात्रियों पर पड़ सकता है। विशेष रूप से झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल की ओर यात्रा करने वाले यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना बनाते समय ट्रेनों की स्थिति की जानकारी लेनी होगी।



27 नवंबर से 17 दिसंबर तक रेलवे का कार्य

दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल अंतर्गत झारसुगुड़ा पैसेंजर यार्ड में रेलवे अधोसंरचना के विकास के लिए नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा। यह कार्य 27 नवंबर से शुरू होकर 17 दिसंबर तक निर्धारित तिथियों में चलेगा। इस दौरान रेल परिचालन प्रभावित होने के कारण कई एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनों को रद्द रखने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा कुछ ट्रेनों का परिचालन सीमित रहेगा और कुछ को परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। केबिनेट सचिव ने संभावित चक्रवात 'अर्नब' से निपटने राज्य के मुख्य सचिवों से की दुरंतो एक्सप्रेस की सटीक प्रभावित तिथियां और टाटानगर-इतवारी ट्रेन की दिशावार तिथियां उपलब्ध विवरण में स्पष्ट नहीं हैं। यात्रा साउथ बिहार एक्सप्रेस का परिचालन रहेगा सीमित

दुर्ग से आरा के बीच चलने वाली साउथ बिहार एक्सप्रेस का परिचालन भी प्रभावित होगा। रेलवे द्वारा निर्धारित तिथियों में इस ट्रेन को राउरकेला तक सीमित रखा जाएगा। इस बदलाव से संबंधित ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों को परेशानी हो सकती है। विशेष रूप से लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को ट्रेन के परिचालन की स्थिति पहले से जांचनी चाहिए।

उत्कल एक्सप्रेस नहीं होगी रद्द, बदलेगा मार्ग

पुरी से योगनगरी ऋषिकेश और योगनगरी ऋषिकेश से पुरी के बीच चलने वाली उत्कल एक्सप्रेस को रद्द नहीं किया जाएगा। हालांकि, रेलवे ने इस ट्रेन को निर्धारित तिथियों में परिवर्तित मार्ग से चलाने का निर्णय लिया है।ऐसे में उत्कल एक्सप्रेस से यात्रा करने वाले यात्रियों को ट्रेन के नए मार्ग और ठहराव की जानकारी प्राप्त करनी चाहिए।रेलवे के इस निर्णय का असर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले विभिन्न क्षेत्रों के यात्रियों पर पड़ेगा। दुर्ग, बिलासपुर और राजनांदगांव से लंबी दूरी की ट्रेनों में यात्रा करने वाले यात्रियों को नवंबर के अंतिम सप्ताह से दिसंबर के मध्य तक विशेष सावधानी बरतनी होगी। कारण यात्रियों को अपनी यात्रा की योजना में बदलाव करना पड़ सकता है।

रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा शुरू करने से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त करें। 139 के माध्यम से ट्रेन के परिचालन की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे टिकट बुकिंग और यात्रा से पहले संबंधित ट्रेन की तारीख, मार्ग और परिचालन की स्थिति की पुष्टि कर लें।

सुविधाओं का विस्तार किया

कांकेर में दो नए मार्गों पर बस सेवा शुरू, दूरस्थ गांवों को मिलेगी परिवहन सुविधा



एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना के तहत कांकेर जिले के दो नए मार्गों पर बस सेवा शुरू की गई है। परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने भानुप्रतापपुर-कोरर और भानुप्रतापपुर-अंतागढ़ मार्ग पर बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन मार्गों पर बस सेवा शुरू होने से वनांचल के 40 से अधिक गांवों के लोगों को नियमित सार्वजनिक परिवहन की सुविधा मिलेगी। इससे ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, हाट-बाजार और शासकीय कार्यों के लिए आवागमन में सहूलियत होगी। परिवहन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों तक बुनियादी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना से ऐसे गांव भी सार्वजनिक परिवहन से जुड़ रहे हैं, जहां पहले नियमित बस सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इससे ग्रामीणों को विकासखंड मुख्यालय, अस्पताल, विद्यालय और बाजार तक पहुंचने में आसानी हो रही है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण परिवहन का विस्तार केवल आवागमन की सुविधा नहीं, बल्कि दूरस्थ अंचलों को विकास के नए अवसरों से जोड़ने का माध्यम भी है। कांकेर विधायक आशाराम नेताम ने कहा कि सुदूर अंचलों तक शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। दूरस्थ गांवों में बस सेवा का विस्तार इसी दिशा में शासन की महत्वपूर्ण पहल है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष किरण नरेटी, नगर पालिका अध्यक्ष अरुण कौशिक सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी और ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मुकाबलों में जीत दर्ज कर पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में न्यायधानी नाइट्स का धमाका, बैलाडीला बुल्स को 4-1 से हराया

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में न्यायधानी नाइट्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बैलाडीला बुल्स को 4-1 से करारी शिकस्त दी है। इस जीत के साथ न्यायधानी नाइट्स ने सेमीफाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली है। टीम ने लगातार तीन मुकाबलों में जीत दर्ज कर पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। खास बात यह रही कि उप मुख्यमंत्री एवं खेल तथा युवा कल्याण मंत्री अरुण साव की मौजूदगी में न्यायधानी नाइट्स ने अपने तीनों मुकाबले जीते हैं। इस जीत के सबसे बड़े नायक चिराग रहे, जिन्होंने शानदार हैट्रिक लगाकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दूसरी ओर, बैलाडीला बुल्स के लिए लीग में मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। टीम अब तक एक भी मुकाबला नहीं जीत सकी है और अंक तालिका में निचले स्थान पर बनी हुई है। हालांकि, न्यायधानी नाइट्स के खिलाफ मुकाबले में बैलाडीला बुल्स ने कई मौकों पर मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया।



पहले क्वार्टर में दोनों टीमों का मजबूत डिफेंस

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के इस मुकाबले में दोनों टीमों की मजबूत रक्षा पंक्तियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। आमतौर पर लीग में दर्शकों को अधिक गोल वाले मुकाबले देखने को मिलते रहे हैं, लेकिन इस मैच की शुरुआत बिल्कुल अलग रही। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक-दूसरे को गोल करने का कोई मौका नहीं दिया। न्यायधानी नाइट्स और बैलाडीला बुल्स के खिलाड़ियों ने बेहतरीन डिफेंस का प्रदर्शन किया। पहले क्वार्टर की समाप्ति तक स्कोर 0-0 रहा। इसके बाद दूसरे क्वार्टर में मुकाबले का रुख बदलना शुरू हुआ।

दूसरे क्वार्टर में चिराग ने दागे दो गोल

दूसरे क्वार्टर में बैलाडीला बुल्स की एक गलती न्यायधानी नाइट्स के लिए बड़ा अवसर बन गई। बैलाडीला के खिलाड़ियों ने पेनल्टी कॉर्नर दे दिया, जिसका चिराग ने पूरा फायदा उठाया। चिराग ने अपनी पहली ही ड्रैग-फ्लिक से शानदार गोल कर न्यायधानी नाइट्स को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद हाफ टाइम के करीब चिराग ने एक और बेहतरीन ड्रैग-फ्लिक के जरिए गोल दाग दिया।

श्री रामलला तीर्थ दर्शन योजना से श्रद्धालुओं की मनोकामना हुई पूरी, अयोध्या और काशी विश्वनाथ के दर्शन कर लौटे यात्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से जिले के 330 से अधिक श्रद्धालुओं को मिल चुका तीर्थ दर्शन का लाभ

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू एवं जिला पंचायत सीईओ ऋषिकेश तिवारी ने 30 श्रद्धालुओं को हरी झंडी दिखाकर किया था रवाना

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित श्री रामलला अयोध्या धाम तीर्थ दर्शन योजना जिले के श्रद्धालुओं, विशेषकर वरिष्ठजनों के लिए धार्मिक आस्था और जीवन की संजोई हुई मनोकामनाओं को साकार करने का माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत जिले के 30 श्रद्धालुओं ने 21 से 24 अक्टूबर तक आयोजित चार दिवसीय तीर्थ यात्रा में अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर एवं काशी विश्वनाथ धाम के है।





मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से जिले के 330 से अधिक श्रद्धालुओं को मिल चुका तीर्थ दर्शन का लाभ

श्री रामलला तीर्थ दर्शन योजना से श्रद्धालुओं की मनोकामना हुई पूरी, अयोध्या और काशी विश्वनाथ के दर्शन कर लौटे यात्री

कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू एवं जिला पंचायत सीईओ ऋषिकेश तिवारी ने 30 श्रद्धालुओं को हरी झंडी दिखाकर किया था रवाना

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित श्री रामलला अयोध्या धाम तीर्थ दर्शन योजना जिले के श्रद्धालुओं, विशेषकर वरिष्ठजनों के लिए धार्मिक आस्था और जीवन की संजोई हुई मनोकामनाओं को साकार करने का माध्यम बन रही है। योजना के अंतर्गत जिले के 30 श्रद्धालुओं ने 21 से 24 अक्टूबर तक आयोजित चार दिवसीय तीर्थ यात्रा में अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर एवं काशी विश्वनाथ धाम के दर्शन किए। तीर्थ यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए यात्रा की सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं की सराहना की और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला प्रशासन द्वारा तीर्थ यात्रा के लिए चयनित 30 श्रद्धालुओं को कलेक्टर पद्मिनी भोई साहू एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ऋषिकेश तिवारी ने हरी झंडी दिखाकर बिलासपुर रेलवे स्टेशन के लिए रवाना किया था। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में दर्शन-पूजन करने के साथ काशी विश्वनाथ मंदिर एवं आसपास के प्रमुख धार्मिक और दर्शनीय स्थलों का भ्रमण किया। राज्य शासन एवं जिला प्रशासन के समन्वय से यात्रियों के लिए परिवहन, भोजन तथा मंदिर दर्शन सहित आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी। इस योजना के माध्यम से अब तक सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के 330 से अधिक नागरिकों को तीर्थ दर्शन का लाभ मिल चुका है।

कभी सोचा नहीं था कि अयोध्या और काशी विश्वनाथ के दर्शन का अवसर मिलेगा : मनोहर लाल साहू

तीर्थ यात्रा से लौटे पवनी निवासी श्री मनोहर लाल साहू ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि उन्हें रेलगाड़ी से दूसरे राज्य जाकर भगवान श्रीराम और काशी विश्वनाथ के दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि शासन की इस योजना से उनकी वर्षों पुरानी इच्छा पूरी हुई है। यात्रा के दौरान आवागमन, भोजन एवं दर्शन की अच्छी व्यवस्था होने से किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। श्री साहू ने श्रद्धालुओं को निःशुल्क तीर्थ दर्शन का अवसर उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

निःशुल्क तीर्थ यात्रा से पूरी हुई मन की मुराद : वृंदा यादव

सारंगढ़ निवासी वृंदा यादव ने बताया कि अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम एवं काशी विश्वनाथ के दर्शन करना उनके जीवन का अविस्मरणीय अनुभव रहा। उन्होंने कहा कि यात्रा पूरी तरह निःशुल्क थी तथा श्रद्धालुओं के लिए आवागमन, भोजन एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी। इस योजना के कारण उन्हें बिना किसी आर्थिक बोझ के देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन करने का अवसर मिला। यादव ने राज्य शासन की इस पहल को श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

वरिष्ठजनों की धार्मिक आस्था को मिल रहा संबल

श्री रामलला अयोध्या धाम तीर्थ दर्शन योजना के माध्यम से राज्य शासन ऐसे श्रद्धालुओं को देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर उपलब्ध करा रहा है, जो विभिन्न कारणों से स्वयं तीर्थ यात्रा नहीं कर पाते। विशेषकर वरिष्ठजनों के लिए यह योजना उनकी धार्मिक आस्था, भावनाओं और वर्षों से संजोई गई इच्छाओं को पूरा करने का माध्यम बन रही है। जिले में योजना के सफल क्रियान्वयन से लगातार नए श्रद्धालु लाभान्वित हो रहे हैं। तीर्थ यात्रा से लौटने वाले नागरिकों के अनुभव इस योजना की सार्थकता को दर्शाते हैं।

श्रद्धालुओं को यात्रा के लिए रवाना किए जाने के अवसर पर समाज कल्याण अधिकारी श्री विनय तिवारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पारस संगम 2026 में प्रतिभाओं का सम्मान, 101 शिक्षकों को मिला गौरव

पाँच व्यक्तित्वों को मानद उपाधि, 11 शिक्षण संस्थानों एवं सेंटर संचालकों का सम्मान;

झरना यादव की पढ़ाई के लिए 5,100 की सहायता,

विद्यार्थियों के लिए वेलकम एवं फेयरवेल समारोह

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

पारस ग्रुप ऑफ फाउंडेशन, छत्तीसगढ़ के तत्वावधान में 24 अक्टूबर 2026 को शहीद स्मारक भवन, घड़ी चौक, रायपुर में 'पारस संगम 2026-एक्सीलेंस अवॉर्ड' समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा, समाजसेवा, उद्यमिता, महिला सशक्तीकरण, स्वास्थ्य सेवा, युवा नेतृत्व, साहित्य, कला एवं अन्य क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 101 शिक्षकों, 11 स्कूलों, कॉलेजों एवं शिक्षण संस्थानों तथा पारस इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन के सेंटर संचालकों को सम्मान प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करना तथा उनके योगदान को व्यापक पहचान दिलाना रहा। सम्मान समारोह के साथ विद्यार्थियों के स्वागत एवं विदाई कार्यक्रम ने आयोजन को विशेष स्वरूप प्रदान किया।

अतिथियों की उपस्थिति में हुआ सम्मान समारोह

समारोह में रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुनील सोनी, बाल आयोग की अध्यक्ष एवं राज्यमंत्री का दर्जा प्राप्त डॉ. वर्डिका शर्मा, छत्तीसगढ़ राज्य शिक्षा आयोग के अध्यक्ष सुधीर गौतम, छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा तथा केंद्रीय लोक शिकायत जांच आयोग से संबंधित प्रतिनिधि शिव पात्रे सहित विभिन्न क्षेत्रों के अतिथि उपस्थित रहे। इसके अलावा सकीला खान, प्रीति रानी तिवारी, उमा कुशवाहा तथा सामाजिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रतिनिधियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

पाँच व्यक्तित्वों को मानद उपाधि से किया गया सम्मानित

समारोह में एस. के. शर्मा, ब्रजभूषण यादव, प्रिया गुप्ता, चंद्रप्रकाश नौरत्न एवं रुद्रवीर सोनी को उनके योगदान के लिए मानद उपाधि प्रदान की गई। इस अवसर पर समाज एवं विभिन्न कार्यक्षेत्रों में उनकी उपलब्धियों को सराहा गया।

एक हादसे का दर्द थमा नहीं, दूसरे सड़क हादसे ने झकझोरा; घायलों के बीच पहुंचीं रेणुका सिंह

एमसीबी/बैकुंठपुर। केल्हारी के भीषण बस हादसे का दर्द अभी कम भी नहीं हुआ था कि रविवार सुबह एक और सड़क दुर्घटना ने क्षेत्र को झकझोर दिया। कोरिया जिले के ग्राम नगर और एमसीबी जिले के उजियारपुर के बीच जामदुवारी जंगल में बस और बोलेरो की जोरदार भिड़ंत में खोंगापानी निवासी 24 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि बोलेरो सवार अन्य लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही भरतपुर-सोनहत विधायक एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री रेणुका सिंह घायलों का हाल जानने जिला अस्पताल बैकुंठपुर पहुंचीं।

कुदरगढ़ दर्शन के लिए निकले थे श्रद्धालु : जानकारी के अनुसार, नगर पंचायत खोंगापानी से 11 लोग बोलेरो में सवार होकर कुदरगढ़ माता के दर्शन के लिए जा रहे थे। रविवार सुबह करीब सात बजे जामदुवारी जंगल में रांची की ओर से आ रही बस से उनकी बोलेरो टकरा गई। दुर्घटना में 24 वर्षीय महिला की घटनास्थल पर मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से घायल हुई, जिसे बेहतर उपचार के लिए अंबिकापुर रेफर किया गया।



अन्य घायलों का उपचार जिला अस्पताल बैकुंठपुर में जारी है।

घायलों से मुलाकात, बेहतर उपचार के निर्देश

अस्पताल पहुंचीं विधायक रेणुका सिंह ने घायलों और उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों से घायलों की स्थिति की जानकारी ली और बेहतर एवं समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विधायक ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में सरकार और स्वास्थ्य विभाग उनके साथ हैं तथा घायलों के इलाज में हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

दुख की घड़ी में परिजनों को बंधाया ढांढस, स्वास्थ्य सुविधाओं को भी दी मजबूती

विधायक ने दुर्घटना में जान गंवाने वाली महिला के परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की और उन्हें ढांढस बंधाया। एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रिटायर्ड डॉक्टर से 3 करोड़ की ठगी, एफआईआर दर्ज

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में साइबर ठगी का बड़ा मामला सामने आया है। शेयर ट्रेडिंग में कम समय के भीतर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर साइबर ठगों ने सिम्स से सेवानिवृत्त एक डॉक्टर से करीब तीन करोड़ रुपये की धोखाधड़ी कर ली। बताया जा रहा है कि ठगों ने महज डेढ़ महीने के भीतर डॉक्टर को अपने जाल में फंसाया। शुरुआत में निवेश पर मुनाफा दिखाकर उनका भरोसा जीता गया और फिर लगातार अधिक कमाई का लालच देकर बड़ी रकम निवेश कराई गई।

शिकायत की है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, इस संबंध में सिटी कोतवाली थाने में अपराध दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है। हालांकि, पुलिस की ओर से पीड़ित की पहचान और मामले से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

पहले मुनाफा दिखाया, फिर बढ़वाते गए निवेश

जानकारी के अनुसार, ठगों ने शेयर ट्रेडिंग में निवेश के जरिए कम समय में अच्छी कमाई का भरोसा दिलाया था। इसके लिए शुरुआत में निवेश पर मुनाफा होने की जानकारी दी गई, जिससे डॉक्टर को योजना पर विश्वास होने लगा। इसके बाद ठग उन्हें ज्यादा रकम निवेश करने के लिए प्रेरित करते रहे। मुनाफा बढ़ने का भरोसा मिलने पर डॉक्टर ने अलग-अलग चरणों में बड़ी रकम निवेश की। ठग लगातार उन्हें यह विश्वास दिलाते रहे कि उनकी निवेश की गई राशि बढ़ रही है और इससे उन्हें अच्छा आर्थिक लाभ मिलेगा। इस तरह धीरे-धीरे निवेश की रकम बढ़ती गई और कुल ठगी की राशि करीब तीन करोड़ रुपये तक पहुंच गई।

पैसे निकालने की कोशिश की तो मांगी अतिरिक्त रकम

बताया जा रहा है कि जब डॉक्टर ने निवेश से हुई कमाई निकालने की कोशिश की, तब ठगों ने नया बहाना बनाया। उन्हें मुनाफे की रकम जारी करने के लिए अलग से पैसे जमा करने को कहा गया। अपनी रकम और कथित मुनाफा वापस मिलने की उम्मीद में डॉक्टर ने कुछ अतिरिक्त राशि भी दे दी। इसके बावजूद उन्हें भुगतान नहीं किया गया। बार-बार आश्वासन मिलने के बाद भी जब रकम वापस नहीं आई, तो डॉक्टर ने संबंधित लोगों से संपर्क करने की कोशिश की। इस दौरान ठगों के मोबाइल नंबर बंद मिले। इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि शेयर ट्रेडिंग के नाम पर उनके साथ धोखाधड़ी की गई है।

प्रेमनगर की आमसभा से उठा सवाल–क्या देश के लोकतंत्र में जनता के वोट की ताकत सुरक्षित है?

वोट बचाओ-देश बचाओ: लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है निष्पक्ष चुनाव

महेंद्र शुक्ला मनेन्द्रगढ़ ➤ एमसीबी

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत जनता का वोट है। यही वोट सरकार बनाता है, सत्ता बदलता है और जनप्रतिनिधियों को जनता के प्रति जवाबदेह बनाता है। ऐसे में यदि चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं, तो यह केवल किसी राजनीतिक दल का मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि पूरे लोकतंत्र की विश्वसनीयता से जुड़ा विषय बन जाता है।

सूरजपुर जिले के प्रेमनगर बाजार चौक में कांग्रेस पार्टी द्वारा आयोजित 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान की आमसभा ने एक बार फिर चुनावी व्यवस्था, लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता को राजनीतिक बहस के केंद्र में ला खड़ा किया है। सभा को सूरजपुर जिले के प्रभारी एवं भरतपुर-सोनहत के पूर्व विधायक गुलाब कमरो तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह ने संबोधित किया। इस दौरान वक्ताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए वोट की चोरी और चुनावी व्यवस्था के दुरुपयोग के आरोप लगाए।



वोट की ताकत पर सवाल, जवाबदेही किसकी?: कांग्रेस का आरोप है कि देश में चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयास हो रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इन आरोपों को लेकर राजनीतिक संघर्ष अपनी जगह है, लेकिन लोकतंत्र में ऐसे सवालों का समाधान आरोप-प्रत्यारोप से नहीं, बल्कि पारदर्शिता, तथ्यों और निष्पक्ष जांच से होना चाहिए।

यदि कहीं मतदाता सूची में गड़बड़ी, फर्जी मतदान या चुनावी अनियमितता की शिकायत सामने आती है, तो उसकी गंभीरता से जांच होनी चाहिए। शिकायत सही पाए जाने पर जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई भी जरूरी है। साथ ही, बिना ठोस प्रमाण के लगाए गए आरोपों को भी अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता।

लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि सवाल पूछने वालों की आवाज सुनी जाए और जवाब देने वाली संस्थाएं तथ्यों के आधार पर अपनी विश्वसनीयता बनाए रखें।

चुनाव आयोग की निष्पक्षता लोकतंत्र की बुनियाद

भारत का चुनाव आयोग एक महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था है, जिसकी जिम्मेदारी स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है। इस संस्था पर जनता का भरोसा लोकतंत्र के लिए बेहद आवश्यक है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, किसी भी दल को चुनावी व्यवस्था से जुड़े सवालों को राजनीतिक सुविधा के अनुसार देखने के बजाय लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अनुरूप उठाना चाहिए।

न्यूज इन शॉर्ट



बिलासपुर में नो-पार्किंग में खड़ी इनोवा का कटा चालान

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित बृहस्पति बाजार में नो-पार्किंग क्षेत्र के बीच सड़क पर इनोवा खड़ी करने और वाहन हटाने की बात पर राहगीरों से बहस का मामला सामने आया है। सड़क पर गाड़ी खड़ी होने से यातायात प्रभावित हुआ और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मामला सामने आने के बाद पुलिस ने वाहन चालक राकेश कुमार पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया है। जानकारी के अनुसार, इनोवा पूर्व नेता प्रतिपक्ष और जांजगीर के पूर्व विधायक नारायण चंदेल के नाम पर पंजीकृत है।जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार को बृहस्पति बाजार के व्यस्त हिस्से में इनोवा नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़ी थी। बाजार में आम तौर पर लोगों और वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। ऐसे में बीच सड़क पर वाहन खड़ा होने के कारण दूसरे वाहन चालकों को निकलने में परेशानी हो रही थी। राहगीरों और दुकानदारों ने जब चालक से गाड़ी हटाने के लिए कहा, तो वहां बहस शुरू हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, वाहन हटाने की मांग करने वाले एक राहगीर और गाड़ी की सुरक्षा में तैनात पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर (पीएसओ) के बीच भी कहासुनी हुई।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया। बाजार जैसे व्यस्त इलाके में नो-पार्किंग क्षेत्र में वाहन खड़ा करने और उसे हटाने की मांग पर विवाद होने को लेकर लोगों का ध्यान पुलिस कार्रवाई की ओर गया। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने यातायात नियमों के उल्लंघन के मामले में चालक राकेश कुमार पर 500 रुपये का चालान किया। रिपोर्ट के मुताबिक, चालान की राशि जमा कर दी गई है। वहीं, राहगीर से बहस करने वाले पीएसओ के व्यवहार को अनुशासनहीनता मानते हुए उसे निंदा की सजा भी दी गई।

व्यस्त बाजार में यातायात व्यवस्था पर उठे सवाल

बृहस्पति बाजार में दिनभर लोगों की आवाजाही रहती है। यहां सड़क पर वाहन खड़ा होने से दूसरे वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को परेशानी हो सकती है। ऐसे स्थानों पर निर्धारित पार्किंग नियमों का पालन करना यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए जरूरी है। इस घटना में वाहन हटाने की मांग को लेकर हुई बहस और उसके बाद सामने आई पुलिस कार्रवाई चर्चा का विषय बनी हुई है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वाहन चालक पर जुर्माना लगाया गया है और पीएसओ के खिलाफ विभागीय स्तर पर कार्रवाई की गई है।

बलरामपुर में टमाटर से भरा पिकअप वाहन पलटा, लूटने के लिए मची होड़, लोग थैले लेकर मौके पर पहुंचे

बलरामपुर। जिला मुख्यालय में सोमवार को टमाटर से भरा हुआ पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। राष्ट्रीय राजमार्ग 343 पर हुए हादसे के बाद लोगों में टमाटर लूटने की होड़ मच गई।दरअसल बलरामपुर के भनौरा में ह॥ 343 पर एक घर के सामने ही तेज रफ्तार पिकअप वाहन पलट गया था। इसके बाद ड्राइवर वाहन के अंदर से निकल कर वहां से फरार हो गया। लावारिस हालत में वाहन में लोड और कुछ गिरे हुए टमाटर से भरे कैरेट देख लोग दौड़ पड़े। सड़क के आसपास रहने वाले लोग झोले और थैली में टमाटर भरने लगे।टमाटर उठाने के लिए लोगों की भीड़ लग गई। झोले और बोरी में टमाटर भरकर कई लोग निकलने भी लगे। इस बीच घटना की सूचना मिलने के बाद यातायात पुलिस और हाइवे पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंची। लोगों की भीड़ को वहां से हटाते हुए दुर्घटना ग्रस्त वाहन को सड़क से किनारे हटवा दिया गया है।अंबिकापुर से टमाटर लेकर झारखंड जा रहा था वाहनजानकारी के मुताबिक पिकअप वाहन छ॥ 01 ज्ञस्र 1883 में टमाटर लोड कर अंबिकापुर से बलरामपुर के रास्ते होते हुए झारखंड की तरफ जा रहा था। इसी दौरान ड्राइवर की लापरवाही से वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस इस मामले में वाहन मालिक और चालक से संपर्क कर आगे की जांच कर रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के अपूर्ण आवास एक माह में पूर्ण कराने के निर्देश

बिलाईगढ़ जनपद सीईओ ने सलिहा और धौराभाठा में किया स्थल निरीक्षण, हितग्राहियों से की चर्चा

सलिहा में 378 स्वीकृत आवासों में से 309 पूर्ण, शेष 69 आवासों के निर्माण में तेजी लाने के निर्देश

एक सत बुलेटिन ➤ सारंगढ़-बिलाईगढ़



राज्य शासन की मंशानुरूप प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत प्रत्येक पात्र परिवार को पक्का आवास उपलब्ध कराने तथा स्वीकृत आवासों का निर्माण समय-सीमा में पूर्ण कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर श्रीमती पद्मिनी भोई साहू के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत सीईओ श्री ऋषिकेश तिवारी के मार्गदर्शन में जिले में अपूर्ण आवासों के निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा एवं निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में जनपद पंचायत बिलाईगढ़ की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती योगेश्वरी बर्मन ने ग्राम पंचायत सलिहा एवं धौराभाठा (सु) का दौरा कर निर्माणाधीन एवं अपूर्ण आवासों का स्थल निरीक्षण किया तथा हितग्राहियों को एक माह के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जनपद सीईओ श्रीमती बर्मन ने आवास हितग्राहियों के घर पहुंचकर निर्माण कार्यों की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने गांव में चौपाल लगाकर हितग्राहियों से चर्चा की तथा आवास निर्माण में हो रही देरी के कारणों और कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ पात्र परिवारों को समय पर मिलना सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए हितग्राही एवं संबंधित विभागीय अमला आपसी समन्वय से निर्माण कार्यों में तेजी लाएं।



सलिहा में 69 अपूर्ण आवासों को शीघ्र पूर्ण कराने पर जोर: ग्राम पंचायत सलिहा में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत कुल 378 आवास स्वीकृत हैं, जिनमें से 309 आवासों का निर्माण पूर्ण हो चुका है, जबकि 69 आवास अपूर्ण हैं। जनपद सीईओ ने इन आवासों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित हितग्राहियों को एक माह के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम पंचायत के सचिव, रोजगार सहायक एवं आवास योजना से जुड़े अमले को निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने तथा आवश्यक समन्वय के माध्यम से अपूर्ण आवासों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह, के दौरान रायपुर रेल मंडल में सत्यनिष्ठा से समृद्धि को बढ़ावा

मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद के द्वारा अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई।

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर



दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल द्वारा 26 अक्टूबर से 1 नवंबर, 2026 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके माध्यम से रेल प्रशासन में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया जा रहा है। केंद्रीय सतर्कता आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप, सत्यनिष्ठा से समृद्धि विषय पर आधारित इस आयोजन में कार्यशैली में पारदर्शिता बढ़ेगी।

इस सप्ताह की शुरुआत 26 अक्टूबर को मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय में मंडल रेल प्रबंधक श्री दयानंद के द्वारा रायपुर रेल मंडल के अधिकारियों एवं रेलवे कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिला कर की गई। भ्रष्टाचार से लड़ने में ईमानदारी और सामूहिक ज़िम्मेदारी का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री बजरंग अग्रवाल सहित रायपुर रेल मंडल के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।सतर्कता जागरूकता सप्ताह को अधिक प्रभावी, प्रयोजन मूलक एवं सार्थक बनाने के लिए रायपुर रेल मंडल के स्टेशनों कार्यालयों में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। मंडल के सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों एवं रेलवे परिसरों में उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम लगातार संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं।

महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने रेलकर्मियों को दिलाई सत्यनिष्ठा की शपथ।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 26 अक्टूबर से 01 नवंबर, 2026 तक 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' का आयोजन

एक सत बुलेटिन ➤ बिलासपुर



दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में 26 अक्टूबर से 01 नवंबर, 2026 तक 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है । इस अवसर पर आज दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सतर्कता विभाग द्वारा केंद्रीय सतर्कता आयोग के मार्गदर्शन में इस सप्ताह का शुभारंभ किया गया । इस अभियान का उद्देश्य संगठन एवं समाज में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व की संस्कृति को और अधिक सशक्त बनाना है । सतर्कता जागरूकता सप्ताह को अधिक प्रभावी, प्रयोजनमूलक एवं सार्थक बनाने के लिए विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।÷सत्यनिष्ठा से समृद्धि÷ के संदेश को आत्मसात करते हुए, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सभी कार्यालयों एवं स्टेशनों पर एक साथ सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई गई । मुख्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने कार्य के प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी, निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि ÷सत्यनिष्ठा केवल एक शब्द नहीं, बल्कि यह प्रत्येक रेलकर्मी के आचरण और कार्य संस्कृति की पहचान होनी चाहिए ।सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं हितधारकों ने एक स्वर में यह प्रतिज्ञा की कि वे नैतिक मूल्यों का पालन करते हुए भ्रष्टाचार-मुक्त वातावरण निर्मित करने के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए योगदान देंगे ।तर्कता जागरूकता सप्ताह शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक आचरण के महत्व को पुनः रेखांकित करता है । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे इन आदर्शों को अपने प्रत्येक कार्य में आत्मसात करते हुए ईमानदार, जिम्मेदार और पारदर्शी रेल सेवा प्रदान करने के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है ।

बेमेतरा में 22.90 लाख रुपये के खाद्यान्न का गबन, 3 आरोपी गिरफ्तार

एक सत बुलेटिन ➤ बेमेतरा

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में शासकीय उचित मूल्य दुकान में खाद्यान्न की कमी और वितरण से संबंधित राशि जमा नहीं करने के मामले में नांदघाट पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। ग्राम पंचायत टेमरी की शासकीय उचित मूल्य दुकान में अनियमितताएं सामने आने के बाद पुलिस ने स्व सहायता समूह की अध्यक्ष पुष्पा साहू, सचिव नीरा बाई और दुकान के विक्रेता मनीष साहू को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि दुकान में भौतिक सत्यापन के दौरान बड़ी मात्रा में चावल और नमक की कमी मिलीपुलिस के अनुसार, ग्राम पंचायत टेमरी की शासकीय उचित मूल्य दुकान के खाद्यान्न स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया गया था। इस दौरान विभिन्न मदों में कुल 527.83 क्विंटल चावल और 21.88 क्विंटल नमक की कमी पाई गई। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, वर्ष 2025-26 के लिए निर्धारित आर्थिक मूल्यांकन के आधार पर कमी पाए गए खाद्यान्न की कुल शासकीय कीमत 22,90,910.99 रुपये आंकी गई है। खाद्य सामग्री की इतनी बड़ी मात्रा में कमी सामने आने के बाद मामले की जांच शुरू की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया कि संबंधित संस्था के पदाधिकारियों और विक्रेता ने शासकीय खाद्यान्न का उचित हिसाब नहीं दिया और सरकारी संपत्ति का गबन कर आपराधिक न्यास भंग किया।

फरवरी और मार्च की राशि भी निगम के खाते में जमा नहीं

इस मामले में खाद्यान्न वितरण से जुड़ी अग्रिम राशि जमा नहीं किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। शिकायत के मुताबिक, फरवरी 2026 के खाद्यान्न वितरण से संबंधित 44,198.17 रुपये और मार्च 2026 की 21,184.53 रुपये की राशि नागरिक आपूर्ति निगम, बेमेतरा के खाते में जमा नहीं की गई। दोनों महीनों की लंबित राशि को मिलाकर कुल 65,382.70 रुपये होते हैं। इसके अलावा, फरवरी से जुलाई 2026 तक के बारदानों को भी शासन के निर्देशों के अनुसार गोदाम में जमा नहीं किए जाने की बात सामने आई है। खाद्यान्न की कमी, राशि जमा नहीं करने और बारदानों का हिसाब नहीं मिलने जैसे बिंदुओं को शिकायत में प्रमुखता से उठाया गया। पुलिस के अनुसार, इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है। खाद्यान्न के भौतिक स्टॉक और सरकारी रिकॉर्ड में अंतर मिलने के बाद संबंधित लोगों की भूमिका की जांच की गई।

पश्चिम बंगाल के कई जिलों में दुर्ग STF की कार्रवाई

32 हजार लोगों का डेटा खंगाला, 250 से अधिक शॉर्ट-लिस्ट; डॉक्यूमेंट वैरिफिकेशन करने पहुंची टीम

एक सत बुलेटिन ➤ दुर्ग-भिलाई



दुर्ग जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान और उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई के लिए पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। दुर्ग पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स की टीम ने पश्चिम बंगाल के कई जिलों में जाकर प्रवासियों के आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेजों की जांच की। टीम ने बांग्लादेश की सीमा से लगे जिलों में दस्तावेजों का सत्यापन किया।ञ्जस्र ने करीब 32 हजार व्यक्तियों के स्कैन किए गए डेटा का विश्लेषण किया। इसमें 250 से अधिक लोगों को आगे की जांच के लिए चिह्नित किया गया है। फिलहाल, इनकी नागरिकता और अन्य संबंधित जानकारियों का सत्यापन किया जा रहा है। जांच पूरी होने के बाद ही इन लोगों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।इनकी जानकारी जुटाने और दस्तावेजों के सत्यापन के लिए ञ्जस्र की टीम ने पश्चिम बंगाल के अलग-अलग क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाया।दुर्ग पुलिस की ञ्जस्र टीम ने पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर, दक्षिण 24 परगना और मुर्शिदाबाद सहित अन्य क्षेत्रों में जाकर चिह्नित लोगों का सत्यापन किया। इस दौरान आसपास के लोगों से पूछताछ की गई। साथ ही उनके दस्तावेजों की सरकारी रिकॉर्ड से जांच की गई।ञ्जस्र की टीम ने इन लोगों के संबंध में जानकारी जुटाई है। वहां से मिले डेटा का विश्लेषण करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सत्यापन में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

3 दिन पहले बांग्लादेशी महिला को किया डिपोर्ट

दुर्ग पुलिस ने 23 अक्टूबर को बांग्लादेशी महिला रीना अख्तर को भारत से डिपोर्ट किया था। वह 2017 से दुर्ग जिले में रह रही थी।

प्रतिदिन लगभग 50 लाख रुपये के रोजगार का सृजन, 175 ग्राम पंचायतों में 18,163 श्रमिक नियोजित

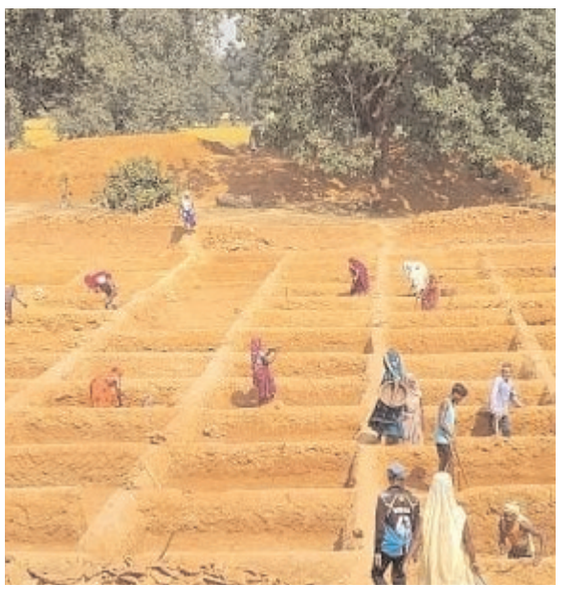
VB-G RAM-G से ग्रामीण श्रमिकों को मिल रहा रोजगार, जिले में 65 करोड़ रुपये के 1,558 कार्य स्वीकृत

जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के साथ जल संरक्षण एवं आजीविका संवर्धन के कार्यों को मिल रही गति

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

विकसित भारत, गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (VB-G RAM-G) के माध्यम से मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ गांवों में आधारभूत सुविधाओं के विकास और जल संरक्षण के कार्यों को गति मिल रही है। जिले में रोजगार सृजन के लिए कुल 65 करोड़ रुपये की लागत के 1,558 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इन कार्यों के माध्यम से प्रतिदिन लगभग 50 लाख रुपये के रोजगार का सृजन हो रहा है, जिससे ग्रामीण परिवारों को आजीविका का सहारा मिल रहा है।

जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम के नेतृत्व में जिले की ग्राम पंचायतों में रोजगार मूलक एवं विकास कार्यों का संचालन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिले में वर्तमान में 438 कार्य प्रगतिरत हैं। वहीं, जिले की 175 ग्राम पंचायतों में कुल 18,163 श्रमिकों को नियोजित किया गया है। इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध हो रहे हैं और गांवों के विकास को भी बढ़ावा मिल रहा है।



जल संरक्षण और ग्रामीण विकास को प्राथमिकता

योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में मुक्तिधाम निर्माण, सामुदायिक बालिका शौचालय निर्माण, बोरवेल रिचार्ज, स्टैगर्ड कंटूर ट्रेंच निर्माण, नवीन आजीविका डबरी एवं नवीन तालाब निर्माण सहित जल संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्य कराए जा रहे हैं। इसके अलावा बोल्डर चेकडैम, गेबियन संरचनाओं तथा अन्य जल संरक्षण कार्यों के माध्यम से वर्षा जल को संरक्षित करने और भूजल स्तर में सुधार की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।इन कार्यों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ जल संसाधनों का संरक्षण, कृषि एवं आजीविका के अवसरों को मजबूत करना और गांवों में आवश्यक सार्वजनिक सुविधाओं का विस्तार करना है। स्थानीय स्तर पर कार्यों के संचालन से श्रमिकों को अपने ही गांव एवं आसपास के क्षेत्रों में रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिल रहा है।

भगवानपुर में तालाब गहरीकरण कार्य से मिल रहा रोजगार

भरतपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत भगवानपुर के अंतर्गत बघवार में पुराने तालाब के गहरीकरण का कार्य कराया जा रहा है। इस कार्य में 87 श्रमिक नियोजित हैं। तालाब गहरीकरण से जहां ग्रामीण श्रमिकों को रोजगार मिल रहा है, वहीं जल संग्रहण क्षमता बढ़ाने और वर्षा जल के बेहतर उपयोग की दिशा में भी मदद मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों का संरक्षण एवं गहरीकरण कृषि, पशुपालन और स्थानीय जल आवश्यकताओं के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे कार्यों से रोजगार सृजन और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को एक साथ बढ़ावा मिलता है।

रोजगार के साथ आत्मनिर्भर गांवों की दिशा में पहल

VB-G RAM-G के अंतर्गत जिले में संचालित कार्य ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने और गांवों में टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। रोजगार मूलक कार्यों के साथ जल संरक्षण एवं आजीविका संवर्धन पर जोर दिए जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की संभावनाओं को बल मिल रहा है।

श्रेयस बोले- वैभव सूर्यवंशी को मौका मिलेगा



कहा- 2 मैच में बेहतर गेंदबाजी करते तो नतीजा अलग होता; सीरीज 2-2 से बराबर

भारत के टी-20 कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा है कि वैभव सूर्यवंशी को मौका जरूर मिलेगा। उन्हें इसका इंतजार करना होगा।बेंगलुरु में शनिवार को 5वें टी-20 मैच के बाद श्रेयस से वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग-11 में शामिल नहीं करने पर सवाल किया गया था।इस पर अय्यर ने कहा- 'मैं उससे यही कहता हूं कि तुम्हें मौका मिलेगा। कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास 2 शानदार ओपनर हैं। वैभव के साथ हमारी बातचीत इसी बारे में होती रही है।' वैभव इस सीरीज में खेलने का मौका नहीं मिला।

अय्यर ने होप के प्रदर्शन की तारीफ की

भारत के कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि दूसरे और चौथे मैच में बेहतर गेंदबाजी करते, तो सीरीज का नतीजा अलग हो सकता था। उन्होंने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों और खासकर शाई होप को पूरी सीरीज में अच्छा खेलने का श्रेय दिया।

अय्यर ने कहा, जहां श्रेय देना चाहिए, वहां देना चाहिए। उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। शाई होप ने पूरी सीरीज में जिस तरह बल्लेबाजी की, वह शानदार था।वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने कहा, 'हम सीरीज जीतने के बहुत करीब थे। ऐसा कुछ, जो हमने 20 से ज्यादा वर्षों में नहीं किया है।'उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से आगे बढ़ रहे हैं। सफलता का मतलब केवल सीरीज जीतना नहीं है।' होप ने कहा कि टीम के खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर जिम्मेदारी उठाई।

IPL ऑक्शन 16 दिसंबर को गोवा में होगा



IPL के 2027 सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 16 दिसंबर को गोवा में होगी। इससे पहले सभी 10 टीमों को 15 नवंबर तक बताना होगा कि वे अपने मौजूदा खिलाड़ियों में से किन्हें अपने साथ बनाए रखना चाहती हैं।16 दिसंबर को ही भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा वनडे बेंगलुरु में खेला जाना है। श्रीलंका की टीम 13 दिसंबर से भारत के दौरे पर रहेगी। इसमें 3 वनडे और 3 टी-20 खेले जाएंगे।

बाबर आजम के इंटरनेशनल क्रिकेट में 16000 रन पूरे



एजेंसी ➤ नई दिल्ली

बाबर आजम ने इंटरनेशनल क्रिकेट में 16 हजार रन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने ट्राई सीरीज के पहले मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ रविवार को यह अचीवमेंट हासिल की। बाबर ऐसा करने वाले पाकिस्तान के 5वें बल्लेबाज बन गए।रावलपिंडी में चल रहे मुकाबले में श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है। पाकिस्तानी टीम ने 15 ओवर में 2 विकेट पर 77 रन बना लिए हैं। बाबर और साद बेग नाबाद हैं।पहले बल्लेबाजी कर रही पाकिस्तानी टीम की शुरुआत खराब रही है। टीम ने 32 रन के स्कोर पर 2 विकेट गंवा दिए थे। ओपनर सईम अयूब 7 और फखर जमान 16 रन बनाकर आउट हुए।साद बेग वनडे डेब्यू कर रहे हैं।

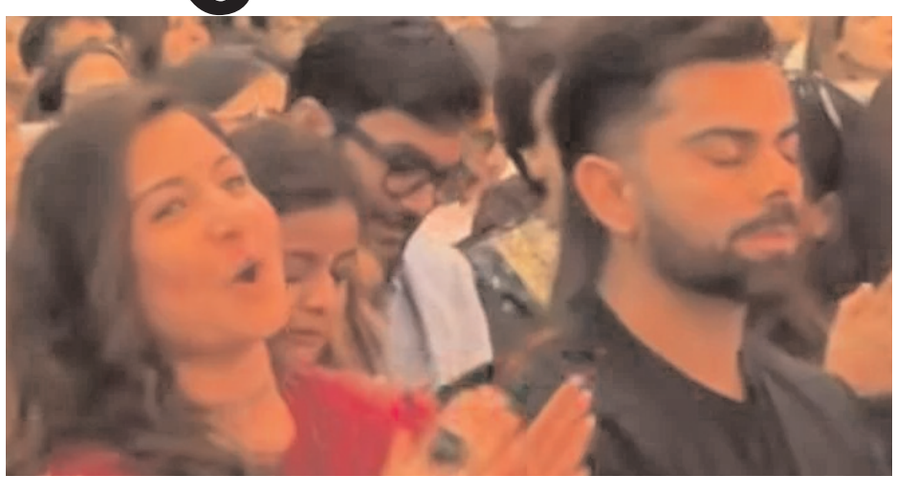
अब तक 8 बार वृंदावन जाकर संत प्रेमानंद से मिल चुके

विराट-अनुष्का मुंबई में भजन कॉन्सर्ट में झूमे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा रविवार को मुंबई में कृष्णा दास के कीर्तन में पहुंचे। दोनों भक्ति गीत गाते दिखे। इसका वीडियो वायरल है।13 सेकेंड के इस वीडियो में अनुष्का ताली बजाते और भक्ति मंत्रों के साथ गाते नजर आईं। विराट कुछ देर कैमरे की ओर देखने के बाद फिर भक्ति संगीत में शामिल हो गए।

विराट-अनुष्का कीर्तन में जाने से पहले गेटवे ऑफ इंडिया पहुंचे थे। यह कार्यक्रम कृष्णा दास के भारत दौरे का हिस्सा था।यह पहली बार नहीं है, जब विराट और अनुष्का कृष्णा दास के कीर्तन में शामिल हुए हैं। दोनों जुलाई 2026 में लंदन के यूनियन चैपल में हुई एक प्रार्थना सभा में भी पहुंचे थे।



दोनों को भारत और विदेशों में आध्यात्मिक जगहों पर जाते और धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होते देखा गया है।

संत प्रेमानंद से भी मिलने जाते हैं विराट-अनुष्का

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा संत प्रेमानंद महाराज के भक्त हैं और कई बार वृंदावन में उनके दर्शन के लिए जा चुके हैं। पिछली बार दोनों गुरु पूर्णिमा से पहले 22 जुलाई को नए आश्रम यमुना विहार कुंज पहुंचे थे।दोनों चेहरे पर मास्क लगाकर नंगे पांव आश्रम के अंदर गए। बारिश के चलते रास्ते में कीचड़ था। विराट, अनुष्का का हाथ थामकर चलते नजर आए थे।विराट कोहली 4 नवंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू हो रही 5 वनडे की सीरीज में खेलते नजर आएंगे।टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले लिया है।

व्यापार

दुनिया तांबे के पीछे, ज्यादा पैसे देने को तैयार!

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

भारत में कॉपर की कीमत अगस्त में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। ग्लोबल स्तर पर बढ़ती मांग और सीमित सप्लाई के बीच कॉपर बाजार में दबाव बढ़ रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और ढ्ढ डेटा सेंटर जैसे सेक्टर इसकी खपत बढ़ा रहे हैं।भारत में तांबे की कीमत अगस्त 2026 में करीब ?1,400 प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। 17 अगस्त को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लि। (स्ष्टङ्क) पर कॉपर कॉन्ट्रैक्ट भी लगभग इसी स्तर पर कारोबार कर रहे थे। बाजार में सिर्फ कीमत ही नहीं बढ़ी है, बल्कि तुरंत सप्लाई हासिल करने के लिए खरीदारों को



प्रीमियम भी चुकाना पड़ रहा है।कॉपर की कीमतों में तेजी के पीछे ग्लोबल डिमांड और सप्लाई के बीच बढ़ता अंतर बड़ी वजह माना जा रहा है। पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, रिन्यूएबल एनर्जी और डेटा सेंटर जैसे सेक्टर में कॉपर की जरूरत तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से लंदन मेटल एक्सचेंज के करीब बनी हुई हैं।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन होंगी शबनम सिन्हा

सुनील मित्तल 10 साल बाद पद छोड़ेंगे, 30 सितंबर को कंपनी के बोर्ड से हटेंगे

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वर्ल्ड बैंक की पूर्व लीड स्पेशलिस्ट और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर डॉ. शबनम सिन्हा 1 अक्टूबर 2026 से बैंक की नई चेयरपर्सन के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगी।

एयरटेल पेमेंट्स बैंक की नई चेयरपर्सन शबनम सिन्हा होंगी। वे 1 अक्टूबर 2026 से यह पद संभालेंगी। शबनम नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन सुनील भारती मित्तल की जगह लेंगी। मित्तल 30 सितंबर को अपना 10 साल का कार्यकाल पूरा करके बोर्ड से हट जाएंगे।डॉ. शबनम सिन्हा के पास बैंकिंग, गवर्नेंस और डिजिटल बदलाव का 30 से ज्यादा सालों का ग्लोबल अनुभव है। उन्होंने 2010-2025 यानी 15 साल वर्ल्ड बैंक में बतौर लीड स्पेशलिस्ट काम किया। यहां उन्होंने एशिया, यूरोप और अफ्रीका में 4 बिलियन डॉलर यानी करीब ?38,000 करोड़ से ज्यादा के प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी संभाली।

वर्ल्ड बैंक से पहले वह ढ्ढरू स्रस्र एजुकेशन की



ष्ठश्वह रह चुकी हैं और स्ट्ठष्ठ व ह्वष्ठश्वत्रह्व के साथ भी लंबे समय तक काम कर चुकी हैं। फिलहाल वह एयरटेल पेमेंट्स बैंक, वेदांता और भारत फाइनेंशियल इंक्लूजन जैसे बड़े संस्थानों के बोर्ड में शामिल हैं।शबनम सिन्हा बोली- जिम्मेदारी मिलना सम्मान की बात

डॉ. शबनम ने कहा कि एयरटेल पेमेंट्स बैंक की कमान संभालना मेरे लिए गर्व की बात है, खासकर ऐसे वक्त में जब डिजिटल बैंकिंग देश की तरक्की में सबसे अहम रोल निभा रही है। बैंक ने आसान तकनीक के जरिए एक ऐसा मजबूत और भरोसेमंद जरिया तैयार किया है,।

राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था।

मेटा पर भारी जुर्माने का संकट

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

मेटा अब एक नए कोर्ट केस का सामना करने जा रही है, जहां जहां उसके ऊपर कई गंभीर आरोप लगे हैं. प्लेटफॉर्म पर आरोप हैं कि उसकी वजह से लोगों को सोशल मीडिया की लत लग रही है और उसके ऐप्स कई तरह के नुकसान पहुंचा जा रहे हैं।

साथ ही उसके ऐप्स की वजह से बच्चों की मेंटल हेल्थ भी प्रभावित हो रही है, जिसके कारण कंपनी को दर्जनों केस का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही कंपनी को 1।4 ट्रिलियन डॉलर (करीब 133।92 लाख करोड़ रुपये) के जुर्माने तक भरना पड़ सकता है।

नए मामले की सुनवाई मंगलवार को कैलिफोर्निया के ओकलैंड स्थित संघीय अदालत में शुरू की जाएगी। बीते सप्ताह मेटा ने इस मामले को खारिज कराने की मांग की थी, लेकिन कंपनी की अर्जी को कंपनी ने



स्वीकार नहीं किया।

सीईओ मार्क जकरबर्ग को पड़ेगा पेश

इस केस के दौरान मेटा के टॉप ऑफिसर्स और कंपनी के सीईओ मार्क जकरबर्ग तक की सुनवाई हो सकती है। साथ ही कंपनी पर बहुत मोटा जुर्माना तक लगाया जा सकता है। राज्यों ने मेटा पर आरोप लगाया था कि मेटा ने जानबूझकर ऐसे फीचर्स को तैयार किया है, जो असल में यूजर्स को उसके प्लेटफॉर्म का आदि बनाते हैं।

2023 में मेटा के खिलाफ दायर केस से कनेक्ट हैं

यह मामला साल 2023 में कई अमेरिकी राज्यों की ओर से मेटा के खिलाफ दायर किए गए केस से कनेक्टेड है। यह कार्रवाई कंपनी की सुरक्षा नीतियों को लेकर कई राज्यों की जांच के बाद हुई, जिसके बाद जांच में बच्चों और किशोरों को होने वाले गंभीर नुकसान सामने आए थे। ये जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी है।

मेटा के खिलाफ आरोप सुनेंगें

सुनवाई के दौरान जज यवोन गोंजालेज रोजर्स कैलिफोर्निया, कोलोराडो, केंटकी और न्यू जर्सी के आरोपों को सुनेंगे, जिसमें मेटा पर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि मेटा ने अपने ऐप्स की सुरक्षा को लेकर जानबूझकर गुमराह किया और उपभोक्ता संरक्षण कानूनों का उल्लंघन किया।

चार राज्यों समेत कुल 29 राज्य मेटा पर चिल्ड्रन ऑनलाइन प्राइवेसी प्रोटेक्शन एक्ट के उल्लंघन के आरोप लग चुके हैं। राज्यों का आरोप है कि मेटा को पता था।

विदेश में मारुति सुजुकी फॉन्क्स की बंपर डिमांड



विदेश में मारुति सुजुकी फॉन्क्स की बंपर डिमांड

मारुति सुजुकी भारत में सबसे ज्यादा कारें बेचती है. मारुति सिर्फ भारत के लिए ही नहीं बल्कि विदेशों में एक्सपोर्ट के लिए भी कई कारें बनाती है। ऐसी ही एक कार मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स है, जो काफी ज्यादा एक्सपोर्ट हो रही है। इस कार की 2 लाख यूनिट्स को भारत से बाहर एक्सपोर्ट किया जा चुका है। इस आंकड़े तक यानी 2 लाख एक्सपोर्ट तक मारुति सुजुकी फ्रॉन्क्स सबसे तेजी से पहुंची है। कॉम्पैक्ट एसयूवी को यहां तक पहुंचने में 38 महीनों का वक्त लगा है। फ्रॉन्क्स का एक्सपोर्ट जून 2023 में शुरू हुआ। फिलहाल इस मेड इन इंडिया एसयूवी को 90 देशों में एक्सपोर्ट किया जाता है। मारुति इस कार की मैन्युफैक्चरिंग गुजरात के हंसलपुर प्लांट में करती है।



कार्डियो कचौड़ी

केक या आइसक्रीम खाना उलटी बात लग सकता है। लेकिन खाने-पीने से जुड़े ऐसे रन भारत में तेजी से बढ़ती सामुदायिक फिटनेस संस्कृति का हिस्सा बन रहे हैं। इन आयोजनों में दौड़ने की रफ्तार, दूरी या अपना पिछला रिकॉर्ड तोड़ने पर ध्यान देने के बजाय थोड़ी दूरी तक मनोरंजन के लिए दौड़ा जाता है। इसके बाद खाने-पीने के लिए कहीं रुका जाता है या साथ में भोजन किया जाता है। इस तरह व्यायाम एक सामाजिक गतिविधि बन जाता है।मिसाल के तौर पर बीकानेर में धावक 'कचौड़ी रन' में हिस्सा लेते हैं। दौड़ पूरी करने के बाद वे शहर के मशहूर नाश्ते का स्वाद लेते हैं। बेंगलुरु में 'बेकरी-हॉप रन' आयोजित किए गए हैं। इनमें प्रतिभागी कुछ किलोमीटर दौड़ते हैं और रास्ते में अलग-अलग बेकरी पर रुकते हैं। हैदराबाद के धावकों के समूहों ने 'तिरामिसु रन' और 'आइसक्रीम रन' जैसे आयोजन भी किए हैं। वहीं मुंबई में गणेश उत्सव के दौरान 'मोदक रन' आयोजित किए गए।शहर और मौके के हिसाब से खाने की चीजें बदल जाती हैं लेकिन इन आयोजनों का मकसद एक ही है। ऐसे कार्यक्रम तैयार करना जिनमें वे लोग भी शामिल होने के लिए आकर्षित हों जो आम तौर पर किसी पारंपरिक रनिंग ग्रुप से जुड़ने के लिए आगे नहीं आते।यह अंतर महत्वपूर्ण है। पारंपरिक रनिंग क्लब कभी-कभी नए लोगों को डराने वाले लग सकते हैं। खासकर तब जब वहां बातचीत दौड़ने के समय, अभ्यास की योजनाओं और प्रतियोगिता में तय की जाने वाली दूरी के इर्द-गिर्द होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि खाने-पीने पर केंद्रित रन इन बाधाओं को जानबूझकर कम करते हैं। इनमें दौड़ की दूरी आम तौर पर कम होती है और रफ्तार भी धीमी रखी जाती है। प्रतिभागियों को यहां सिर्फ दौड़ पूरी करने की नहीं, बल्कि आपस में बातचीत करने की भी गुंजाइश मिलती है।बेंगलुरु में ब्रांड मैनेजर 29 साल की नैना कपूर का कहना है कि खाने-पीने से जुड़े रन वाले समूह में शामिल होना उन्हें कम मुश्किल लगा। वे बताती हैं।

विचार

सुप्रीम कोर्ट के आवश्यक न्यायिक फैसलों के उजाले

- ललित गर्ग

लेकख

लोकतंत्र की मजबूती का वास्तविक प्रमाण केवल चुनावों का नियमित आयोजन, संसद में बहुमत अथवा राजनीतिक दलों की लोकप्रियता नहीं है, बल्कि यह है कि संविधान के सामने सत्ता, विपक्ष और सामान्य नागरिक की स्थिति समान हो। जब सामाजिक न्याय, आरक्षण, धार्मिक स्वतंत्रता और चुनावी निष्पक्षता जैसे प्रश्न एक साथ राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आते हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। न्यायपालिका वह संवैधानिक संस्था है, जिससे नागरिक यह अपेक्षा करता है कि वह राजनीतिक आग्रहों, सामाजिक दबावों और सत्ता के प्रभाव से मुक्त रहकर न्याय का मार्ग प्रशस्त करेगी।

आज देश को ऐसी न्यायिक सक्रियता की आवश्यकता है, जो अन्याय के सामने निर्भीक हो, लेकिन अपने अधिकार क्षेत्र के प्रति सजग भी रहे, जो नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करे, लेकिन राजनीतिक आग्रहों से अप्रभावित रहे, जो संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखे, लेकिन उनकी जवाबदेही को भी सुनिश्चित करे।लोकतंत्र की मजबूती का वास्तविक प्रमाण केवल चुनावों का नियमित आयोजन, संसद में बहुमत अथवा राजनीतिक दलों की लोकप्रियता नहीं है, बल्कि यह है कि संविधान के सामने सत्ता, विपक्ष और सामान्य नागरिक की स्थिति समान हो। जब सामाजिक न्याय, आरक्षण, धार्मिक स्वतंत्रता और चुनावी निष्पक्षता जैसे प्रश्न एक साथ राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में आते हैं, तब सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका और भी महत्त्वपूर्ण हो जाती है। न्यायपालिका वह संवैधानिक संस्था है, जिससे नागरिक यह अपेक्षा करता है कि वह राजनीतिक आग्रहों, सामाजिक दबावों और सत्ता के प्रभाव से मुक्त रहकर न्याय का मार्ग प्रशस्त करेगी। आज आरक्षण की पात्रता और धर्मांतरण से जुड़े विवादों से लेकर निर्वाचन प्रक्रिया तथा न्यायालय की गरिमा तक, अनेक प्रश्न इसी अपेक्षा की कसौटी बनकर सामने हैं। इन प्रश्नों पर विचार करते समय आवश्यक है कि हम न किसी राजनीतिक पक्ष के प्रचारक बनें, न किसी धार्मिक समुदाय के प्रति पूर्वाग्रह रखें, बल्कि संविधान की भावना और न्याय के व्यापक उद्देश्य को केंद्र में रखें। अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण भारतीय संविधान की उन ऐतिहासिक व्यवस्थाओं में है, जिनका उद्देश्य सदियों से चले आ रहे सामाजिक बहिष्कार, अस्पृश्यता और भेदभाव के दुष्परिणामों को दूर करना है। यह केवल रोजगार अथवा शिक्षा में कुछ अतिरिक्त अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था नहीं, बल्कि उस सामाजिक अन्याय के विरुद्ध संवैधानिक हस्तक्षेप है, जिसने बड़ी आबादी



को लंबे समय तक समान अवसरों से वंचित रखा। इसलिए आरक्षण और धर्मांतरण के संबंध में होने वाली बहस को भावनाओं, धार्मिक आग्रहों अथवा राजनीतिक आरोपों के बजाय संवैधानिक प्रावधानों और सामाजिक वास्तविकताओं के आधार पर समझना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट द्वारा यह स्पष्ट किया जाना एक स्वागत योग्य कदम है कि अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के व्यक्तियों द्वारा धर्मांतरण करने पर उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलेगा। तमिलनाडु सरकार द्वारा इसे उच्च न्यायालय में चुनौती देना और अपने राज्य में इस प्रकार की सुविधा जारी रखना कि इस्लाम या ईसाई धर्म अपनाने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलता रहे, वास्तव में सनातन संस्कृति के आरक्षित वर्गों के हितों को कमजोर करने वाला और धर्मांतरण को परोक्ष रूप से बढ़ावा देने वाला कदम था। यह विडंबना ही है कि एक तरफ कुछ संगठन यह दावा करते हैं कि उनके यहां जातिगत भेदभाव का अस्तित्व नहीं है, वहीं दूसरी ओर वे एससी और ओबीसी वर्ग के लोगों को अपने पंथ में आने के बाद भी आरक्षण का लाभ मिलने की पुरजोर वकालत करते हैं। इस प्रकार के दोहरे लाभ और प्रलोभनों के कारण न केवल धर्मांतरण की प्रवृत्ति को बल मिलता है, बल्कि हिंदू समाज को इसका भारी नुकसान उठाना पड़ता है, क्योंकि धर्मांतरित लोग आरक्षण के साथ-साथ अल्पसंख्यक दर्जे के लाभों का भी अनुचित दोहन करने लगते हैं। हालांकि विभिन्न राज्य सरकारें छल-कपट से होने वाले धर्मांतरण के विरुद्ध कड़े कानून बना रही हैं, फिर भी यह समस्या थमने का नाम नहीं ले रही है, जिसका प्रमुख कारण धार्मिक स्वतंत्रता के नाम पर हो रहा इसका दुरुपयोग है।

विचार

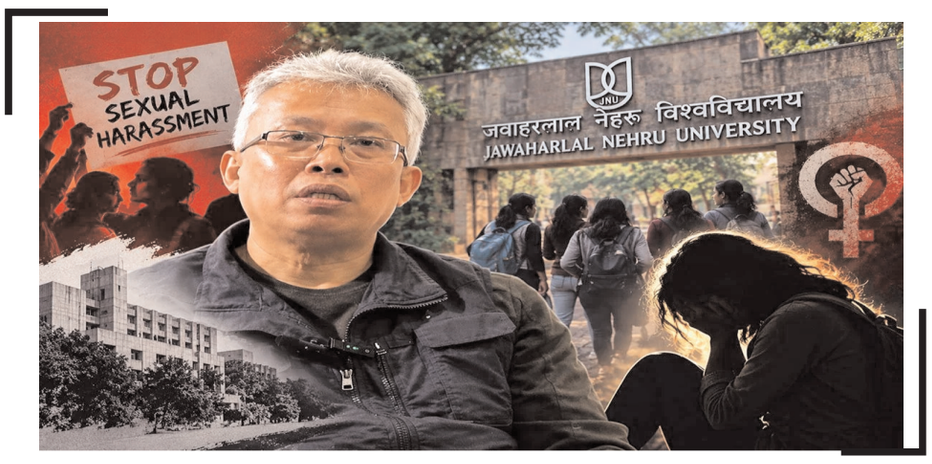
सवालों के घेरे में हैं जेएनयू के क्रांतिकारियों की चयनित चुप्पियां

- प्रो. संजय द्विवेदी

लेखक

वे अभी सांसद बने हुए हैं। प्रो. बिमोल ने इन आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि उन्हें सरकार विरोधी रवैये के कारण शिकार बनाया जा रहा है। इस सफाई के बहुत मायने नहीं हैं। मुद्दा है शिक्षक की गरिमा का, यदि वह जनप्रतिनिधि हैं तो मामला गंभीर हो जाता है।जेएनयू जैसे विश्वविद्यालय में जागरुक विद्यार्थियों की संख्या काफी है। राजनीतिक तौर पर भी उनकी सक्रियता किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में किसी प्राध्यापक का यह रवैया आश्चर्यजनक है।

स्त्रियों ने इस समय में अपनी शक्ति को पहचान लिया है। वे बेहतर कर रही हैं और आगे आसमां छूने की कोशिशों में हैं। यहां भी पुरुष सत्ता चोटिल होती हुई लगती है। उसके प्रति सम्मान और संवेदनशीलता के बजाए, किस्से बनाने और उसे कमतर साबित करने की कोशिशें हर स्तर हो रही हैं।शिक्षा केंद्रों की कलंक कथाएं अनंत हैं। गुरु-शिष्य परंपरा को लजाते प्रकरण मुंह चिढ़ा रहे हैं। ऐसी खबरें अब बहुत विचलित नहीं करतीं। किंतु बात जब जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय जैसे शिक्षा केंद्र की हो तो मामला साधारण नहीं रह जाता। आरोप किसी साधारण शिक्षक पर नहीं, मणिपुर से लोकसभा के सांसद प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर हैं। वे जेएनयू के सामाजिक विज्ञान अध्ययन केंद्र में प्राध्यापक थे। जेएनयू प्रशासन ने 11 छात्राओं की शिकायतों की जांच के बाद प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम को बर्खास्त कर दिया है। वे अभी सांसद बने हुए हैं। प्रो. बिमोल ने इन आरोपों पर सफाई देते हुए कहा कि उन्हें सरकार विरोधी रवैये के कारण शिकार बनाया जा रहा है। इस सफाई के बहुत मायने नहीं हैं। मुद्दा है शिक्षक की गरिमा का, यदि वह जनप्रतिनिधि हैं तो मामला गंभीर हो जाता है।जेएनयू जैसे विश्वविद्यालय में जागरुक विद्यार्थियों की संख्या काफी है। राजनीतिक तौर पर भी उनकी सक्रियता किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में किसी प्राध्यापक का यह रवैया आश्चर्यजनक है। उन छात्राओं के साहस को भी नमन करना चाहिए, जिनके कारण यह प्रकरण प्रकाश में आ सका। हमारी परंपरा में शिक्षक अपने विद्यार्थियों के लिए अभिभावक हैं। इस गरिमा को छोड़कर अपने विद्यार्थियों का किसी भी तरह का शोषण स्वीकार्य नहीं है। यह उस अकादमिक भरोसे की हत्या है, जिस पर शिक्षा की नींव टिकी है। आरोपी प्रोफेसर के बारे में विश्वविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति ने शिकायतों को सही पाया है। नैतिकता के आधार पर उन्हें सांसद पद से इस्तीफा देना चाहिए। उनकी अपनी कांग्रेस पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक बयान अभी तक सामने नहीं आया है। यह बात रेखांकित करती है कि शिक्षा केंद्रों में शिक्षक सुरक्षित माहौल नहीं देगें तो युवा पीढ़ी का मानसिक और शैक्षणिक विकास कैसे होगा? यह भी सुखद है कि जागरुक विद्यार्थी अब किसी तरह के शोषण को सहने को तैयार नहीं हैं। पीड़िताएं अब डरने के बजाए संस्थागत प्रक्रियाओं का दरवाजा खटखटा रही हैं।स्त्रियों ने इस समय में अपनी शक्ति को पहचान लिया



है। वे बेहतर कर रही हैं और आगे आसमां छूने की कोशिशों में हैं। यहां भी पुरुष सत्ता चोटिल होती हुई लगती है। उसके प्रति सम्मान और संवेदनशीलता के बजाए, किस्से बनाने और उसे कमतर साबित करने की कोशिशें हर स्तर हो रही हैं। तेज होते सामाजिक-आर्थिक परिवर्तनों के इस दौर में सिर्फ कानून ही स्त्री के साथ खड़े हैं। कई जगह स्त्रियां भी, स्त्रियों के खिलाफ खड़ी हैं। यह संक्रमण काल है, स्त्री को अपने वजूद को साबित करते हुए निरंतर आगे बढ़ने का समय है। वह जीत रही है और आगे बढ़ रही है। आज की बेटियां अपने सपनों में रंग भर रही हैं। आसान शिकार होने के नाते कुछ शिकारी उसकी घात में हैं, किंतु आज की औरत इससे डरती नहीं। घबराती नहीं। वह बने-बनाए कठघरों को तोड़कर आगे आ रही है।कानून से ऊपर कोई नहीं है। आरोपी प्रोफेसर सांसद हैं तो उन्हें कुछ विशेषाधिकार जरुर हासिल हैं। ऐसे में मुद्दा यह भी है कि जब कानून बनाने वाले ही महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं तो राजनीतिक शुचिता का क्या होगा। दलगत राजनीति और चयनित चुप्पियों के समय में राजनीतक दलों का रवैया दोमुंहा हो जाता है। टीवी डिबेट्स में राजनीतिक दलों की महिला प्रवक्ता भी उक्त प्राध्यापक का बचाव करते नजर आ रहे हैं। यह तर्क भी कितने गलीज हैं कि दूसरे दल के लोगों पर भी आरोप लगे हैं। इससे गहरी राजनीतिक संवेदनहीनता प्रकट होती है। आपको इसलिए छोड़ दिया जाए क्योंकि प्रतिपक्ष पर भी ऐसे आरोप हैं। नैतिकता और महिला सुरक्षा के मुद्दों पर दलीय सीमाओं से ऊपर उठकर स्त्री सम्मान के लिए सभी को खड़ा होना चाहिए। संसद को हम लोकतंत्र का मंदिर मानते हैं। वहां बैठे सांसदों से उच्च नैतिक आचरण की अपेक्षाएं बेमानी नहीं हैं। हालात इतने बदतर हैं कि गंभीर आरोपों से घिरे लोग अकसर संस्थागत जांच की वैधता पर सवालिया निशान लगाकर सहानुभूति हासिल करने का प्रयास करते हैं। इस मामले में भी यही दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर जेएनयू प्रशासन का यह दावा कि उचित प्रक्रिया का पालन करते हुए आंतरिक समिति की रिपोर्ट के आधार पर सांसद-प्राध्यापक पर कार्रवाई की गई है। यह साबित करता है कि राजनीतिक पदों की धमक से ऊपर अब संस्थागत नियमों को प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

लक्ष्मण रेखा खींचने की जरुरत-

विश्वविद्यालयों के परिसरों में वैचारिक विमर्श हों। संवाद हों। किंतु वे ताकतवर लोगों के लिए सुरक्षित शरणगाह नहीं बनें। लक्ष्मण रेखा खींचने की जरुरत है। इस पर शिक्षकों को विचार करना होगा। अपने गिरेबां में झांकना होगा। शिक्षा परिसरों में पुलिस डेरा डाल रही है। उनकी स्वायत्तता और सम्मान आज हाशिए पर है। राजनीतिक दलों से जुड़ी अपनी आस्थाओं के कारण अगर शिक्षक अपनी भूमिका से समझौता करेगें, तो उनका सम्मान बच नहीं सकता। विचारधारा और देशद्रोही विचारों के आधार पर चलने वाली शक्तियां परिसर को तो

(एक नजर)

शुक्र की चाल हुई वक्री, 29 दिन पड़ेंगे भारी

ज्योतिष शास्त्र में शुक्र को सुख-सुविधाओं, प्रेम, वैभव, सौंदर्य और धन से जोड़कर देखा जाता है. शुक्र की चाल में बदलाव का असर जीवन के इन पहलुओं पर पड़ने की मान्यता है. आज 17 अक्टूबर 2026 से 14 नवंबर 2026 तक शुक्र की वक्री चाल को लेकर कुछ राशियों के लिए आर्थिक मामलों और रिश्तों में सतर्क रहने की सलाह दी जा रही है. ऐसे में ग्रहों के प्रभाव का आप की राशि पर असर पड़ता है ये भी जानना जरूरी है. ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, वृषभ, कन्या, तुला, मकर और कुंभ राशि के जातकों को इस दौरान अपने खर्च, कामकाज और निजी जीवन में संतुलन बनाकर चलना चाहिए. वृषभ राशि-खर्च बढ़ने से बिगड़ सकता है बजट वृषभ राशि के जातकों को इस अवधि में अपनी सेहत और दिनचर्या पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होगी. काम का दबाव बढ़ने से थकान महसूस हो सकती है. आर्थिक मामलों में गैरजरूरी खर्चों से बचें, अपनी जरूरतों के हिसाब से बजट बनाएं. अगर कोई समस्या लंबे समय से बनी हुई है।

विचार

अमेरिकी द्वीपों की अनकही दुनिया

संदीप कुमार सिंह

लेखक

क्या आप ऐसे अमेरिका की कल्पना कर सकते हैं, जहां लोगों के पास पावरफुल पासपोर्ट तो है, लेकिन राशन के एक पैकेट के लिए हफ्तों मौसम साफ होने की दुआ मांगनी पड़ती है? समंदर की लहरों के बीच फैले 18 हजार से ज्यादा द्वीपों का अमेरिका एक ऐसी अनसुलझी दुनिया है, जिसके कायदे-कानून और जिंदगी जीने का तरीका मेनलैंड से एकदम अलग है। आखिर महाशक्ति अमेरिका के इन दूरदराज टापुओं पर कैसे कटती है आम इंसानों की जिंदगी और कैसे ये गुमनाम द्वीप वॉशिंगटन के असली ग्रंप कार्ड बने हुए हैं?

जब भी अमेरिका शब्द हमारे दिमाग में आता है तो गगनचुंबी इमारतों से घिरा न्यूयॉर्क, वॉल स्ट्रीट की मनी रेस या वॉशिंगटन डीसी के पावर कॉरिडोर की तस्वीरें उभरती हैं। आम धारणा यही है कि अमेरिका का मतलब है चमचमाती सड़कें, हाई-वे और मोबाइल स्क्रीन के एक क्लिक पर हर चीज की होम डिलीवरी। लेकिन ये तो मेनलैंड अमेरिका की चकाचौंध भरी जिंदगी की तस्वीर है। इससे एकदम अलग और दूर एक दूसरा अमेरिका भी सांस लेता है, जिसकी जमीनी हकीकत इन बड़े शहरों से 180 डिग्री अलग



है।यूएसजीएस के आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका के पास कुल 18,617 द्वीप हैं। प्रशांत महासागर की गर्म लहरों से लेकर आर्कटिक की भीषण बर्फ तक फैले इन द्वीपों पर जीवन प्रकृति की चुनौतियों और समुद्र के सन्नाटे के बीच कटता है। मेनलैंड अमेरिका में जहां हर सहूलियत उंगलियों के इशारे पर हाजिर होती है, वहीं इन दूरदराज के द्वीपों पर रोजमर्रा का जीवन समुद्री सप्लाई लाइन और मौसम के मिजाज पर निर्भर है।

जैसे अलास्का के एल्यूशियन द्वीपसमूह या प्रशांत महासागर में बसे छोटे टापुओं तक राशन और जरूरी सामान पहुंचाने के लिए कोई एक्सप्रेसवे या सिक्स-लेन हाईवे नहीं है। वहां ताजी सब्जियां, दूध, दवाइयां और ईंधन सब कुछ जहाजों या छोटे प्लेन से लाए जाते हैं। अगर समंदर में चक्रवात आ जाए या धुंध घनी हो जाए, तो हफ्तों तक द्वीपों पर आपूर्ति ठप हो जाती है और सुपरमार्केट के शेल्फ खाली हो जाते हैं। फिर, भारी परिवहन लागत के कारण इन द्वीपों पर ब्रेड या दूध के पैकेट मेनलैंड अमेरिका की तुलना में दो से तीन गुना महंगे मिलने लगते हैं।

इन द्वीपों पर पानी और बिजली का इंतजाम करना भी किसी चुनौती से कम नहीं है। कई छोटे द्वीपों पर केंद्रीय बिजली ग्रिड नहीं पहुंच पाता, इसलिए वहां बिजली के लिए डीजल जनरेटर, सोलर पैनल या विंड टर्बाइन का सहारा लिया जाता है। पीने के पानी के लिए लोग रेन वॉटर हार्वेस्टिंग या समंदर के पानी को पीने लायक बनाने वाले प्लांट पर निर्भर रहते हैं।

एक बड़ा फर्क इन द्वीपों के लोगों के लिए और है। उनके पास अमेरिकी पासपोर्ट तो है लेकिन राष्ट्रपति चुनाव में वोट का अधिकार नहीं है।

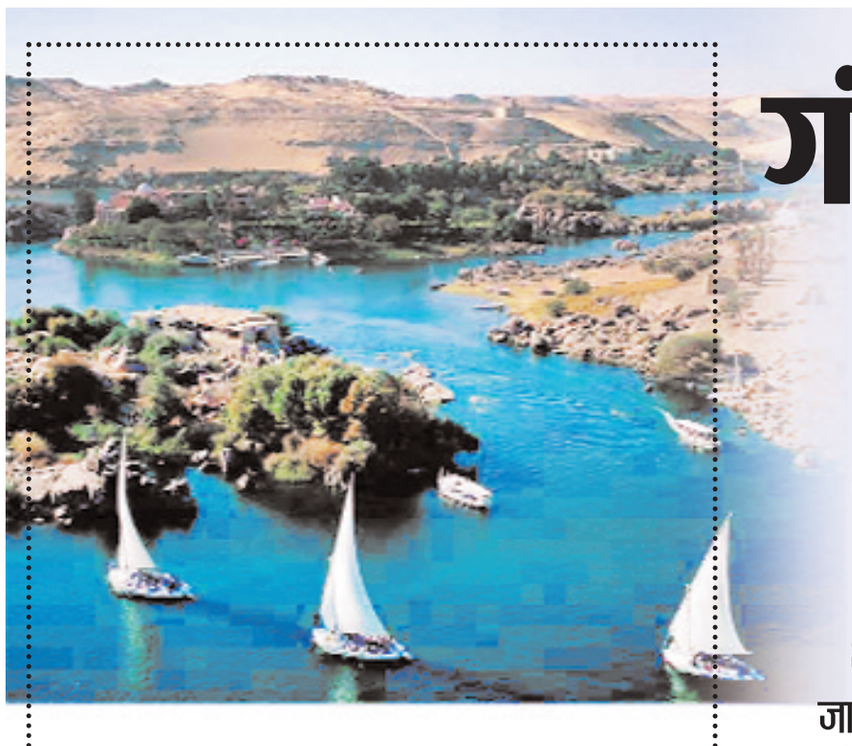
मुख्यभूमि में रहने वाले नागरिक जहां अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में सीधे वोट डालते हैं, वहीं अमेरिका के द्वीपीय निवासियों का राजनीतिक दर्जा बेहद अनोखा है।

प्यूर्टो रिको, गुआम, यूएस वर्जिन आइलैंड्स और नॉर्दर्न मारियाना द्वीप जैसे क्षेत्रों में जन्म लेने वाले लोग कानूनी तौर पर अमेरिकी नागरिक होते हैं। उनके पास अमेरिकी पासपोर्ट होता है और वे अमेरिकी सेना में भी सेवाएं देते हैं। हालांकि, अमेरिकी संविधान के प्रावधानों के तहत जब तक ये नागरिक मुख्यभूमि के किसी राज्य में जाकर स्थायी रूप से नहीं बस जाते, इन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में वोट डालने का अधिकार नहीं होता। अमेरिकी संसद में भी इनके प्रतिनिधियों के पास कानून बनाने के लिए पूर्ण वोटिंग पावर नहीं होती।

लेकिन, लॉजिस्टिक्स की तमाम मुश्किलों के बावजूद अमेरिका इन 18,617 द्वीपों को केवल प्रशासनिक जिम्मेदारी के तौर पर नहीं देखता, बल्कि ये द्वीप उसकी वैश्विक सुपरपावर की स्थिति की रीढ़ हैं। इन बिखरे हुए द्वीपों के चलते अमेरिका के पास लगभग 1।13 करोड़ वर्ग किलोमीटर का दुनिया का सबसे बड़ा श्वर्श है, जो उसे बेहिसाब तेल, गैस, खनिज और मत्स्य संसाधनों पर एकाधिकार प्रदान करता है।

इतना ही नहीं, इन्हीं द्वीपों पर प्रशांत महासागर में अमेरिका के पास गुआम और हवाई जैसे सबसे मजबूत नौसैनिक और वायुसैनिक अड्डे हैं। न्यूयॉर्क-वॉशिंगटन की चमक-धमक जहां अमेरिका की आर्थिक व राजनीतिक ताकत का चेहरा है, वहीं प्रशांत व अटलांटिक महासागर में फैले ये 18,617 द्वीप अमेरिका की उस जुझारू आबादी का घर भी हैं जो प्रकृति की मुश्किल परिस्थितियों के बीच भी अपनी अलग जीवनशैली और पहचान बनाए हुए हैं।

सबसे रोचक बात है कि 18 हजार द्वीपों का अमेरिका का ये आंकड़ा सुनने में विशाल भले ही लगता है, लेकिन अगर दुनिया के नक्शे को देखा जाए तो अमेरिका से भी ज्यादा द्वीपों वाले देश इस धरती पर हैं। द्वीपों की संख्या के मामले में नॉर्डिक देश पूरी दुनिया में सबसे आगे हैं। जैसे स्वीडन के पास दुनिया में सबसे ज्लाख 39 हजार द्वीप हैं।



गंगा नहीं है दुनिया की सबसे बड़ी नदी

भारतीय संस्कृति में नदियों का काफी महत्व रहा है। वैसे देखा जाए तो हर सभ्यता के विकास का मार्ग नदियों ने ही प्रशस्त किया है। दुनिया की बड़ी नदियों में से एक है गंगा नदी, जिसे भारत में बहुत ही पवित्र और आस्था के प्रतीक के तौर पर देखा जाता है, लेकिन दोस्तों क्या तुम जानते हो कि गंगा नदी भले ही देश की सबसे बड़ी नदी हो, लेकिन लंबाई के आधार पर दुनिया की सबसे बड़ी नदियों में इसका नाम नहीं आता है। तुम्हें ये जानकर भले ही आश्चर्य होगा, लेकिन सच्चाई यही है।

नील नदी

दुनिया की सबसे लंबी नदी नॉर्थ-ईस्ट अफ्रीका में बहने वाली नील नदी है। नील नदी की लंबाई 6650 किलोमीटर यानी 4132 मील है। नील नदी अफ्रीका की सबसे बड़ी झील विक्टोरिया से निकलकर विस्तृत सहारा मरुस्थल के पूर्वी भाग को पार करती हुई उत्तर में भूमध्यसागर में उतर जाती है। यह भूमध्य रेखा के निकट भारी वर्षा वाले क्षेत्रों से निकलकर दक्षिण से उत्तर क्रमशः युगांडा, इथियोपिया, सूडान एवं मिस्र से होकर बहते हुए काफी लंबी घाटी बनाती है।

यांग्त्जी नदी

यांग्त्जी नदी एशिया की सबसे बड़ी तथा दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी नदी है, जो चीन में बहती है। इसकी लंबाई 6300 किलोमीटर यानी 3917 मील है। चीन ने सबसे घनी आबादी वाले शहर वुहान के दो हिस्सों को आपस में जोड़ने के लिए यांग्त्जी नदी के आर-पार मेट्रो रेल लाइन का निर्माण भी कर दिया है। इस रेल लाइन की शुरुआत दो साल पहले हुई थी। यांग्त्जी नदी को चीन में चेन जियांग के नाम से भी जाना जाता है। यह नदी किंघाई तिब्बत पठार से निकलकर दक्षिण-पश्चिम चीन, मध्य चीन तथा पूर्वी चीन से होते हुए शंघाई में पूर्वी चीन के समुद्री हिस्से में समाहित हो जाती है।



अमेजन नदी



दक्षिणी अमेरिका में बहने वाली अमेजन नदी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी नदी है। इसकी लंबाई 6400 किलोमीटर यानी 4000 मील है। आयतन (लंबाई-चौड़ाई) के हिसाब से यह विश्व की सबसे बड़ी नदी है, लेकिन अगर सिर्फ लंबाई के हिसाब से बात करें तो दूसरी। यह ब्राजील, पेरू, बोलविया, कोलंबिया तथा इक्वाडोर से होकर बहती है। यह पेरू के एंडीज पर्वतमाला से निकलकर पूर्व की ओर बहती है और अटलांटिक महासागर में मिलती है। इस नदी पर एक भी पुल नहीं है।

मिसिसिपी-मिसौरी



मिसिससिपी-मिसौरी नदी लंबाई के आधार पर अमेरिका की सबसे बड़ी तथा दुनिया की चौथी सबसे बड़ी नदी है। इसकी लंबाई 6275 किलोमीटर (3902 माइल) है। मिसिसिपी नदी के स्रोत को आम रूप से इटास्का झील को माना जाता है, लेकिन मिसिसिपी का सबसे दूरस्थ स्रोत जेफरसन नदी है। जेफरसन नदी मिसौरी नदी की सहायक नदी है, जैसे मिसौरी नदी मिसिसिपी की सहायक है। जब मिसिसिपी की लंबाई को इस मुहाने से लेकर सर्वाधिक दूर के इस स्रोत तक मापा जाता है तो इसे मिसिसिपी-मिसौरी-जेफरसन कहा जाता है।

कम हो रहे हैं बाघ

टाइगर अर्थात् बाघ को देखकर तुम कैसे भयभीत हो जाते हो। इसकी बड़ी-बड़ी आंखें और दहाड़ सुनकर तुम्हारे अंदर का डर बाहर चला आता है और तुम छुप जाते हो। लेकिन तुम्हें पता है दूसरों के अंदर भय पैदा करने वाला यही टाइगर आज अपने जीवन को लेकर भयभीत है। इनके अस्तित्व पर लगातार खतरा मंडरा रहा है और यह प्रजाति विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गई है। एक अनुमान के मुताबिक पूरे विश्व में मात्र 3,200 के करीब ही टाइगर बचे हैं। यह संख्या किसी भी प्रजाति के लिए काफी कम है। पिछले सौ साल में धरती से टाइगर की लगभग 97 फीसदी आबादी खत्म हो चुकी है। इनकी कई प्रजातियां तो बिलकुल ही विलुप्त हो गई हैं। पर्यावरणविदों का मानना है कि अगर इनकी संख्या घटने की यही रफ्तार रही तो आने वाले एक-दो दशक में बाघ का नामो-निशान इस धरती से मिट जाएगा। इसलिए इनके संरक्षण के लिए कई देश मुहिम भी चला रहे हैं।



ब्रह्मपुत्र (यलो) नदी

ब्रह्मपुत्र (यलो) नदी मध्य और दक्षिण एशिया की प्रमुख नदी है, जो दुनिया की छठवीं सबसे लंबी नदी है। इसकी लंबाई 5464 किलोमीटर यानी 3398 मील है। यह चीन, तिब्बत, भारत तथा बांग्लादेश से होकर बहती है। ब्रह्मपुत्र का उद्गम तिब्बत के दक्षिण में मानसरोवर के निकट चेमायुंग दुंग नामक हिमवाह से हुआ है। इसका नाम चीन में या-लू-त्सांग-पू चियांग (यलो) तिब्बत में सांपो, अरुणाचल में डिहं तथा असम में ब्रह्मपुत्र है। यह नदी बांग्लादेश की सीमा में जमुना के नाम से दक्षिण में बहती हुई गंगा की मूल शाखा पद्मा के साथ मिलकर बंगाल की खाड़ी में जाकर मिलती है। यह दुनिया की सबसे गहरी नदी है।





येनिसे-अंगारा-सेलेंगा

येनिसे-अंगारा-सेलेंगा नदी दुनिया की पांचवीं सबसे लंबी नदी है, जो रूस में बहती है। इस नदी की लंबाई 5539 किलोमीटर यानी 3445 मील है। ये तीन नदियां हैं, जो एक-दूसरे से जुड़ती चली जाती हैं। इस नदी का उद्गम मंगोलिया के मध्य भाग से होता है और रूस के कई क्षेत्रों से बहते हुए ये नदी आर्कटिक महासागर में मिल जाती है।



कांगो नदी

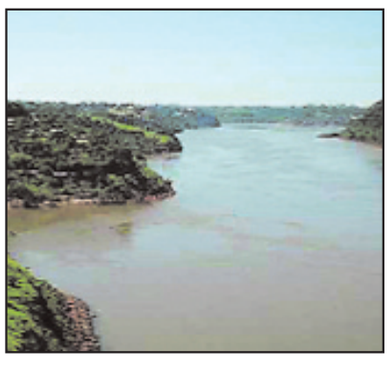
कांगो नदी को जेयरे नदी के नाम से भी जाना जाता है। यह अफ्रीका की एक प्रमुख नदी है। 4700 किलोमीटर (2922 मील) की दूरी तय करने वाली यह नदी पश्चिम-मध्य अफ्रीका की सबसे विशाल और नील नदी के बाद अफ्रीका की सबसे लंबी नदी है। नदी अपने मुहाने पर सात मील चौड़ा रूप धारण कर समुद्र में गिरती है। यह समुद्र में प्रति सेकंड 20 लाख घन फुट कीचड़ युक्त पानी गिराती है, जो संपूर्ण मिसिसिपी के औसत का चौगुना है। इसका कीचड़ युक्त पानी समुद्री किनारे से 100 मील दूर तक तथा 4,000 फुट की गहराई तक समुद्री जल से अलग रूप में स्पष्ट दिखाई देता है।

ओब-इरटिस नदी



ओब-इरटिस नदी या ओबी नदी उत्तरी एशिया के पश्चिमी साइबेरिया क्षेत्र की एक नदी है और दुनिया की सातवीं सबसे लंबी नदी है। येनिसेय नदी और लेना नदी के साथ यह आर्कटिक सागर में बहने वाली तीसरी महान साइबेरियाई नदी मानी जाती है। ओब नदी की शुरुआत रूस के अल्ताई क्राय प्रदेश के बियस्क शहर से 26 किमी दक्षिण-पश्चिम में बिया नदी और कतुन नदी के संगम से होती है। इस नदी की लंबाई 5410 किलोमीटर (3364 मील) है।

पराना नदी



पराना नदी दक्षिण मध्य अमेरिका में बहने वाली एक नदी है। यह ब्राजील, पैराग्वे और अर्जेंटीना में बहते हुए 4,880 किलोमीटर (3,030 मील) का सफ़र तय करती है। दक्षिण अमेरिका में बहने वाली नदियों में अमेजन नदी के बाद यह दूसरी सबसे बड़ी नदी है। पराना नदी के नाम का अर्थ है समुद्र जैसी विशाल। पहले यह पैराग्वे नदी में मिलती है और फिर और नीचे गिरते हुए उरुग्वे नदी में मिल जाती है और रिओ दे ला प्लाता नदी के मुहाने का निर्माण करते हुए अटलांटिक महासागर में मिल जाती है।

अमूर-अर्गुन नदी

अमूर नदी दुनिया की 9वीं सबसे लंबी नदी है। यह नदी रूस के सूदूर पूर्वी क्षेत्रों और पूर्वोत्तरी चीन के दरमियान अंतरराष्ट्रीय सीमा भी है। रूस और चीन के बीच जमीन के लिए जो झड़पें 17वीं शताब्दी में आरंभ हुईं और 20वीं शताब्दी तक चलीं, उनमें अमूर नदी की अहम भूमिका थी। अमूर नदी पश्चिमी मंचूरिया की पहाड़ियों में शिल्का नदी और अर्गुन नदी के मिलाप से 303 मीटर की ऊंचाई पर जन्म लेती है। इसकी लंबाई 4444 किलोमीटर यानी 2763 मील है।



न्यूज इन शॉर्ट

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, माइंस कर्मचारी की मौत

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के डौंडी में शनिवार रात हुए सड़क हादसे में 33 वर्षीय माइंस कर्मचारी आनंद सिंह की मौत हो गई। वह माइंस में काम खत्म करने के बाद बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में आनंद सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। घटना के बाद पुलिस ने कार चालक को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। जिला सहकारी बैंक के पास हुआ हादसा जानकारी के अनुसार, हादसा शनिवार रात करीब 10:30 बजे डौंडी थाना क्षेत्र में हुआ। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के पास दुर्गा मंदिर से आगे अंकित चाय दुकान के नजदीक कार और बाइक के बीच टक्कर हुई। बताया गया कि आनंद सिंह कच्चे माइंस में काम करने के बाद अपने घर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कार क्रमांक ष्टत्र 04 त्तष्ट 8930 ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के अगले हिस्से को भी नुकसान पहुंचा। वहीं, बाइक सवार आनंद सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की आवाजाही के बीच घायल को बचाने का प्रयास किया गया, लेकिन उनकी मौत हो गई।सड़क हादसे की जानकारी मिलते ही डौंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल की जानकारी जुटाई और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। हादसे में जान गंवाने वाले आनंद सिंह के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामले में कार चालक को हिरासत में लिया है। फिलहाल हादसे से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और टक्कर के पीछे क्या कारण रहे, इसकी जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।रेलवे कॉलोनी के वार्ड-26 के निवासी थे आनंद सिंह

आनंद सिंह दल्लीराजहरा की रेलवे कॉलोनी के वार्ड-26 में रहते थे। वह रेलवे कर्मचारी महेश सिंह के इकलौते बेटे थे। उनकी मौत की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। काम खत्म कर घर लौट रहे आनंद सिंह के साथ हुए इस हादसे ने उनके परिवार को गहरा सदमा पहुंचाया है। परिवार के लिए यह घटना बेहद दुखद है। रोजमर्रा के काम के बाद घर लौटते समय हुए हादसे में उनकी जान चली गई। घटना के बाद इलाके में भी इस सड़क दुर्घटना की चर्चा रही।

सफाई व्यवस्था पर महापौर मीनल चौबे का सख्त रुख, रामकी कंपनी को फटकार

रायपुर । छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में दीपावली से पहले सफाई व्यवस्था को लेकर नगर निगम की महापौर मीनल चौबे ने सख्त रुख अपनाया है। शहर में जगह-जगह लगे कूड़े-कचरे के ढेर और डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन की लचर व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए महापौर ने अनुबंधित सफाई एजेंसी रामकी कंपनी के प्रतिनिधियों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि काम नहीं तो भुगतान नहींकी नीति के तहत सफाई कार्य में लापरवाही बरतने वाली कंपनी के खिलाफ अनुबंध की शर्तों के अनुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। महापौर ने नगर निगम अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजधानी रायपुर की सफाई व्यवस्था में तत्काल सुधार लाया जाए और शहर के सभी क्षेत्रों में नियमित रूप से कचरा संग्रहण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि दीपावली से पहले राजधानी पूरी तरह साफ-सुथरी नजर आनी चाहिए और सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रामकी कंपनी को महापौर की दो टूक चेतावनी समीक्षा बैठक के दौरान महापौर मीनल चौबे ने रामकी कंपनी के प्रतिनिधियों से सफाई व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि रायपुर शहर में शत-प्रतिशत डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन करना कंपनी की जिम्मेदारी है। यदि कंपनी अपनी जिम्मेदारी का सही तरीके से निर्वहन नहीं करती है, तो नगर निगम अनुबंध की शर्तों के तहत कार्रवाई करेगा। महापौर ने कहा कि शहर में कई स्थानों पर कूड़े-कचरे के ढेर दिखाई दे रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता और एरियर की मांग तेज; फेडरेशन ने दी आंदोलन की चेतावनी

बैठक में कर्मचारियों की आर्थिक समस्याओं, चिकित्सा सुविधाओं और अन्य लंबित मुद्दों पर चर्चा की गई।

एक सत बुलेटिन ➤ राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ में सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों की लंबित मांगों को लेकर एक बार फिर आंदोलन की सुगबुगाहट तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने राज्य सरकार से जनवरी 2026 से दो प्रतिशत महंगाई भत्ता देय तिथि से एरियर सहित प्रदान करने और कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा तत्काल लागू करने की मांग की है। फेडरेशन ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कर्मचारियों की मांगों का जल्द निराकरण नहीं किया गया, तो आगामी दिनों में आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। संगठन ने इसके लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराने की बात कही है। इन मांगों को लेकर राजनांदगांव में आयोजित फेडरेशन की बैठक में जिले के 32 कर्मचारी-अधिकारी संगठनों के पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में कर्मचारियों की आर्थिक समस्याओं, चिकित्सा सुविधाओं और अन्य लंबित मुद्दों पर चर्चा की गई।



राजनांदगांव में 32 संगठनों की महत्वपूर्ण बैठक

छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन की जिला स्तरीय बैठक राजनांदगांव के भारत स्काउट जिला कार्यालय भवन में आयोजित की गई। स्टेट स्कूल के पास स्थित कार्यालय में हुई इस बैठक में जिले के 32 कर्मचारी और अधिकारी संगठनों के जिला अध्यक्ष तथा पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक का प्रमुख उद्देश्य कर्मचारियों से जुड़ी समस्याओं पर चर्चा करना और उनके समाधान के लिए सामूहिक रणनीति तैयार करना था। इस दौरान पदाधिकारियों ने महंगाई भत्ता, बकाया एरियर और कैशलेस चिकित्सा सुविधा जैसे मुद्दों को प्राथमिकता दी।

जनवरी 2026 से 2 प्रतिशत महंगाई भत्ते की मांग

बैठक में कर्मचारियों के महंगाई भत्ते का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। फेडरेशन ने राज्य सरकार से जनवरी 2026 से दो प्रतिशत महंगाई भत्ता प्रदान करने की मांग की है। संगठन का कहना है कि महंगाई के वर्तमान दौर में कर्मचारियों के घरेलू खर्च बढ़ रहे हैं। ऐसे में महंगाई भत्ते से जुड़ी मांगों पर सरकार को शीघ्र निर्णय लेना चाहिए। पदाधिकारियों ने कहा कि महंगाई भत्ता कर्मचारियों के आर्थिक हितों से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है।

देय तिथि से एरियर भुगतान की मांग

फेडरेशन ने केवल दो प्रतिशत महंगाई भत्ता देने की ही नहीं, बल्कि जनवरी 2026 से देय तिथि के अनुसार एरियर का भुगतान करने की भी मांग की है। संगठन का कहना है कि कर्मचारियों को उनके देय लाभ समय पर मिलने चाहिए। बैठक में शामिल पदाधिकारियों ने मांग रखी कि सरकार महंगाई भत्ते से संबंधित निर्णय लेते समय बकाया राशि के भुगतान का भी प्रावधान करे। इससे कर्मचारियों को आर्थिक राहत मिल सकेगी।

बैठक में दूसरा प्रमुख मुद्दा कर्मचारियों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने का रहा।

पीड़ित परिवार को जल्द न्याय दिलाने की मांग की

कोरबा में 7 साल की मासूम से दुष्कर्म और हत्या के विरोध में कैंडल मार्च, फांसी की मांग

एक सत बुलेटिन ➤ कटघोरा/कोरबा

छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में सात वर्षीय बच्ची से कथित दुष्कर्म और हत्या की घटना को लेकर लोगों में आक्रोश बना हुआ है। घटना के विरोध में कटघोरा नगर के नागरिकों ने कैंडल मार्च निकालकर मासूम को श्रद्धांजलि दी और पीड़ित परिवार को जल्द न्याय दिलाने की मांग की। जय स्तंभ चौक से शहीद वीर नारायण सिंह चौक तक निकाले गए कैंडल मार्च में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग करते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की अपील की। कैंडल मार्च में शामिल नगर पालिका अध्यक्ष राज जायसवाल ने जिले में बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने शासन-प्रशासन से मामले में निष्पक्ष और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने तथा पीड़ित परिवार को जल्द न्याय दिलाने की मांग की

जय स्तंभ चौक से निकाला गया कैंडल मार्च

कटघोरा नगर में मासूम बच्ची की मौत के विरोध में नागरिक एकत्रित हुए और कैंडल मार्च निकाला। यह मार्च जय स्तंभ चौक से शुरू होकर शहीद वीर नारायण सिंह चौक तक पहुंचा। इस दौरान लोगों ने हाथों में मोमबत्तियां लेकर बच्ची को श्रद्धांजलि दी और न्याय की मांग की। कैंडल मार्च में शामिल महिलाओं और पुरुषों ने घटना पर दुख और आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन में शामिल नागरिकों ने सात वर्षीय बच्ची के साथ हुई घटना को गंभीर बताते हुए आरोपी को कठोरतम सजा देने की मांग की। लोगों का कहना था कि पीड़ित परिवार को जल्द न्याय मिलना चाहिए और मामले में दोष



सिद्ध होने पर आरोपी को कानून के अनुसार सख्त सजा दी जानी चाहिए। कैंडल मार्च के दौरान आरोपी को फांसी देने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। हालांकि, किसी भी आरोपी की दोषसिद्धि और सजा का अंतिम निर्णय न्यायालय द्वारा साक्ष्यों तथा कानूनी प्रक्रिया के आधार पर किया जाता है।

नगर पालिका अध्यक्ष राज जायसवाल ने जताई चिंता

कैंडल मार्च में नगर पालिका अध्यक्ष राज जायसवाल भी शामिल हुए। उन्होंने कोरबा जिले में अपराध की घटनाओं को लेकर चिंता जताई और शासन-प्रशासन से प्रभावी कार्रवाई की मांग की। राज जायसवाल ने कहा कि बच्ची के परिवार को न्याय दिलाना जरूरी है। उन्होंने मामले में दोषियों को कड़ी सजा दिलाने की मांग करते हुए पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। जानकारी के अनुसार, मृत बच्ची का परिवार मूल रूप से छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले का रहने वाला है। परिवार करीब चार महीने पहले मजदूरी करने के लिए कोरबा जिले के रजगामार क्षेत्र में आया था।बच्ची के माता-पिता अपने चार बच्चों के साथ यहां रहकर मजदूरी करते थे।परिवार रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए काम कर रहा था, लेकिन 19 अक्टूबर को बच्ची के लापता होने के बाद उनकी जिंदगी में दुखद घटनाक्रम शुरू हो गया।

राशन दुकान गई थी सात साल की बच्ची

जानकारी के मुताबिक, 19 अक्टूबर को दोपहर करीब डेढ़ बजे सात वर्षीय बच्ची घर के पास स्थित राशन दुकान से घरेलू उपयोग का सामान लेने निकली थी। काफी देर बीत जाने के बाद भी बच्ची घर वापस नहीं लौटी।इसके बाद परिजनों को चिंता हुई और उन्होंने आसपास उसकी तलाश शुरू की। परिवार ने संभावित स्थानों पर बच्ची को खोजा, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। आखिरकार परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। बच्ची के लापता होने की सूचना मिलने के बाद बालको थाना क्षेत्र की रजगामार चौकी पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की। इसके साथ ही डॉग स्क्वायड की मदद भी ली गई। बच्ची का पता लगाने के लिए पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर खोजबीन की। हालांकि, शुरुआती तलाश में बच्ची का कोई सुराग नहीं मिल सका।

तीन दिन बाद झाड़ियों में मिला शव

बच्ची के लापता होने के करीब तीन दिन बाद गुरुवार को उसका शव बरामद किया गया। शव करीम पोल्ट्री फार्म के पीछे झाड़ियों में मिला था। बच्ची का शव मिलने के बाद परिवार और स्थानीय लोगों में शोक तथा आक्रोश फैल गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने

जान हथेली पर रखकर स्कूल जा रहे बच्चे, टूटे एनीकट से गुजरने को मजबूर

एक सत बुलेटिन ➤ कटघोरा

छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले से स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। जिले के अंतिम छोर पर स्थित पंडरिया विकासखंड के ग्राम दामापुर में विद्यार्थी रोजाना अपनी जान जोखिम में डालकर स्कूल पहुंच रहे हैं। यहां हाफ नदी के शिवगंगा क्षेत्र में बना एनीकट जर्जर और क्षतिग्रस्त हो चुका है। इसके बावजूद स्कूली बच्चे कम दूरी तय करने के लिए इसी टूटे हुए एनीकट को पार कर स्कूल आते-जाते हैं। एनीकट के टूटे हिस्से में पानी भरा हुआ है और नदी का कुछ हिस्सा काफी गहरा है। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ⁄द्यह्यश्र ऋ्रड्डस्र - छत्तीसगढ़ में गोवर्धन पूजा पर सार्वजनिक अवकाश घोषित शॉर्टकट के चक्कर में खतरे से खेल रहे विद्यार्थी जानकारी के अनुसार, ग्राम दामापुर स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ने वाले कई विद्यार्थी प्रतिदिन हाफ नदी के क्षतिग्रस्त एनीकट को पार करके स्कूल पहुंचते हैं। बच्चों के लिए स्कूल आने-जाने का दूसरा सुरक्षित रास्ता भी उपलब्ध है। नदी पर पुल भी बना हुआ है, लेकिन उस रास्ते से स्कूल पहुंचने के लिए लगभग एक से दो किलोमीटर अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है। इसी दूरी से बचने के लिए विद्यार्थी शॉर्टकट रास्ते का इस्तेमाल कर रहे हैं। हालांकि, यह रास्ता बेहद जोखिम भरा है। एनीकट का एक हिस्सा टूट चुका है और वहां पानी जमा है। बच्चों को इसी हिस्से से होकर गुजरना पड़ता है।⁄द्यह्यश्र ऋ्रड्डस्र - केबिनेट सचिव ने संभावित चक्रवात 'अर्नब' से निपटने राज्य के मुख्य सचिवों से की वीडियो कॉन्फ्रेंस टूटे एनीकट के नीचे गहरा पानी, हादसे की आशंका स्थानीय स्तर पर सामने आई जानकारी के मुताबिक, एनीकट में फिलहाल पानी का बहाव अधिक नहीं है, लेकिन क्षतिग्रस्त हिस्से में पानी भरा हुआ है। नदी का यह हिस्सा काफी गहरा बताया जा रहा है। ऐसी स्थिति में यदि कोई बच्चा संतुलन खोकर पानी में गिर जाए और उसे तैरना नहीं आता हो, तो उसकी जान को गंभीर खतरा हो सकता है। विशेष रूप से बारिश के दिनों में नदी का जलस्तर बढ़ने और पानी का बहाव तेज होने पर यह रास्ता और अधिक खतरनाक हो सकता है। बच्चों का इस तरह रोजाना टूटे हुए एनीकट को पार करना उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करता है।⁄द्यह्यश्र ऋ्रड्डस्र - महासमुंद में बाबा साहेब अंबेडकर की मूर्ति क्षतिग्रस्त, लोगों में नाराजगी कीचड़ और पानी से खराब हो रही स्कूल ड्रेस क्षतिग्रस्त एनीकट से होकर गुजरने वाले विद्यार्थियों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नदी पार करते समय बच्चों के कपड़े कीचड़ में गंदे हो जाते हैं। कई बार पानी से उनकी स्कूल ड्रेस भी भीग जाती है। पानी में भीगने और जूते खराब होने के डर से कुछ बच्चे जूता-मोजा पहनकर भी नहीं आ पा रहे हैं। ऐसे में उन्हें फिसलन भरे और कीचड़युक्त रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है। यह स्थिति विद्यार्थियों की सुरक्षा के साथ-साथ उनकी पढ़ाई और दैनिक दिनचर्या को भी प्रभावित कर सकती है। ⁄द्यह्यश्र ऋ्रड्डस्र - रायपुर में रसूखदार के सामने नगर निगम प्रशासन बना पंगु हर साल अस्थायी मरम्मत, स्थायी समाधान का इंतजार ग्रामीणों के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि क्षतिग्रस्त एनीकट की स्थायी मरम्मत नहीं हो पा रही है। बताया जा रहा है कि हर साल एनीकट के दोनों छोर पर मिट्टी डालकर अस्थायी मरम्मत कर दी जाती है। लेकिन यह व्यवस्था लंबे समय तक सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित नहीं कर पाती। बारिश और पानी के बहाव के कारण मिट्टी के बहने या रास्ता दोबारा खराब होने की आशंका बनी रहती है। स्थायी व्यवस्था नहीं होने के कारण यह समस्या लगातार बनी हुई है। बच्चों की सुरक्षा के लिए जागरूकता जरूरी इस मामले में एक महत्वपूर्ण बात यह भी है कि स्कूल पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग और पुल उपलब्ध हैं। हालांकि, वह रास्ता थोड़ा लंबा है, लेकिन बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से उसका उपयोग करना जरूरी है। अभिभावकों और स्कूल प्रबंधन को विद्यार्थियों को टूटे एनीकट से गुजरने से रोकने के लिए जागरूक करना चाहिए। साथ ही संबंधित विभाग को क्षतिग्रस्त हिस्से की स्थिति का निरीक्षण कर सुरक्षित आवागमन की व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता है। सिर्फ एक-दो किलोमीटर की दूरी बचाने के लिए बच्चों का अपनी जान जोखिम में डालना गंभीर चिंता का विषय है। किसी संभावित दुर्घटना को रोकने के लिए समय रहते उचित कदम उठाना बेहद जरूरी है।



घटना जूटमिल थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर बस स्टैंड के पास की है

बिरयानी के लिए चोरी की कोशिश, विरोध करने पर व्यक्ति की चाकू मारकर हत्या

एक सत बुलेटिन ➤ रायगढ़

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में सड़क किनारे सो रहे एक व्यक्ति की हत्या के मामले में पुलिस ने एक युवक और चार नाबालिगों को अभिरक्षा में लिया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी बिरयानी खाने के लिए पैसे जुटाना चाहते थे। इसी उद्देश्य से उन्होंने सो रहे व्यक्ति की जेब से रुपये और मोबाइल निकालने की कोशिश की। नींद खुलने पर व्यक्ति ने विरोध किया तो उस पर चाकू से हमला कर दिया गया। वारदात के बाद आरोपी उसकी जेब से 700 रुपये लेकर भाग गए। घटना जूटमिल थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर बस स्टैंड के पास की है।

बस स्टैंड के पास मिला था अज्ञात व्यक्ति का शव

जानकारी के अनुसार, 24 अक्टूबर की सुबह ट्रांसपोर्ट नगर बस स्टैंड के पास एक



अज्ञात पुरुष का शव मिलने की सूचना पुलिस को मिली थी। मौके पर पहुंची टीम ने आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। मृतक के शरीर पर चोटों के निशान पाए गए। इसके बाद फॉरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल की जांच की गई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष बताई गई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। शुरुआती जांच में शरीर पर मिले घावों के कारण मामला संदिग्ध माना गया। शॉर्ट पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर पड़ताल शुरू की।

सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय सूचनाओं से मिला सुराग

वारदात का पता लगाने के लिए पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग देखी। संदिग्ध गतिविधियों के बारे में जानकारी जुटाने के साथ मुखबिरों को भी सक्रिय किया गया। जांच के दौरान कुछ किशोरों और एक युवक की संभावित संलिप्तता के संकेत मिले। इसके बाद पुलिस ने मिट्ठूमुड़ा, बजरंगपारा और सांगीतराई क्षेत्र में दबिश दी। इस दौरान 19 वर्षीय राजेश्वर सारथी उर्फ समारू और चार नाबालिगों को अभिरक्षा में लिया गया। पुलिस का कहना है कि पूछताछ से घटनाक्रम की जानकारी सामने आई। पुलिस ने मामले का खुलासा लगभग 24 घंटे के भीतर करने का दावा किया है।

पैसे जुटाने के लिए पहुंचे थे आरोपी

पुलिस के अनुसार, पूछताछ में सामने आया कि घटना वाली रात आरोपी नशे की हालत में थे। बिरयानी खाने की इच्छा होने पर उन्होंने रुपये जुटाने के लिए लूटपाट की योजना बनाई। दो लड़के मोटरसाइकिल से ट्रांसपोर्ट नगर बस स्टैंड पहुंचे और तीन अन्य भी वहां आ गए। वहां फल दुकान के पास खड़े ट्रक के किनारे एक व्यक्ति सो रहा था। आरोप है कि उसे देखकर आरोपियों ने उसकी जेब की तलाशी लेनी शुरू कर दी। वे रुपये और मोबाइल निकालना चाहते थे। इसी दौरान व्यक्ति की नींद खुल गई और उसने अपनी जेब टटोलने का विरोध किया। पुलिस इसी घटनाक्रम को हमले की वजह बता रही है।

विरोध के बाद चाकू से हमला करने का आरोप

पुलिस के मुताबिक, व्यक्ति के जागने और विरोध करने के दौरान समूह में शामिल एक नाबालिग ने बटन चाकू से हमला किया। इसके बाद आरोपियों ने उसकी जेब से रुपये निकाले और वहां से चले गए। बरामदगी तथा पूछताछ के आधार पर पुलिस ने हत्या और लूट के घटनाक्रम का खुलासा करने की जानकारी दी है।

आठ एकड़ जमीन ने बढ़ाई भाई-बहन में दूरी, दशकों बाद रिश्तों में लौटा अपनापन

एक सत बुलेटिन ➤ बालोद

छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में जमीन को लेकर भाई-बहन के बीच शुरू हुई करीब 35 साल पुरानी कानूनी लड़ाई में बुजुर्ग महिला को राहत मिली है। डौंडीलोहारा क्षेत्र की गणेशिया बाई को अब शेष कारावास भुगतने के लिए जेल नहीं जाना होगा। हाई कोर्ट ने उनकी दोषसिद्धि बरकरार रखते हुए सजा पहले से जेल में बिताई गई 16 दिन की अवधि तक सीमित कर दी है। दूसरी ओर, परिवार के अनुसार भाई-बहन के संबंध भी सामान्य हो गए हैं और पुराने विवाद के बाद रिश्तों में फिर अपनापन लौटा है।

यह मामला केवल जमीन में हिस्सेदारी मांगने का नहीं था। विवाद के दौरान गणेशिया बाई पर अपनी मृत बहन राधा बाई की पहचान अपनाकर राजस्व कार्यवाही में पेश होने का आरोप लगा था। इसी आधार पर उनके खिलाफ आपराधिक मामला चला। अदालत से मिली मौजूदा राहत का महत्वपूर्ण पहलू यह है कि उन्हें आरोपों से बरी नहीं किया गया है। दोषसिद्धि कायम है, जबकि कारावास की अवधि घटाई गई है। इसलिए फैसले को जमीन के स्वामित्व का नया निर्णय या सभी आरोप समाप्त होने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

गणेशिया बाई की उम्र हालिया पारिवारिक रिपोर्ट में करीब 80 वर्ष बताई गई है। परिवार के मुताबिक, उनके और लगभग 60 वर्षीय भाई पोषण लाल देवांगन के बीच अब पहले जैसी कड़वाहट नहीं रही। दोनों एक ही गांव में रहते हैं। वर्षों तक विवाद का कारण रही संपत्ति के बीच अब परिवार ने संबंध सामान्य करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति के लिए प्रकाशक मुद्रक संपादक अभिषेक शर्मा द्वारा शॉप नंबर 33, एक सत बुलेटिन कार्यालय, संजय चौक , गौरेला जिला गौरेला पेंड्रा मरवाही छत्तीसगढ़ पिन कोड 495117 से प्रकाशित एवं असमां पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयस्तम्भ चौक रायपुर छत्तीसगढ़ -492001 से मुद्रित। समूह संपादक - महेश कुमार तिवारी , स्थानीय उप संपादक / सिटी चीफ़ - भूपेंद्र सिंह , प्रशांत डेनियल